

स्टार डायजेस्ट

सीबीएसई रिजल्ट आने में

लग सकते हैं 10-15 दिन

नई दिल्ली। सीबीएसई बोर्ड एग्जाम रिजल्ट की राह देख रहे स्टूडेंट्स का इंतजार अभी और लंबा हो सकता है। इस रिजल्ट के 10 जुलाई तक घोषित होने की उम्मीद की जा रही थी। इस बीच तकरीबन 31 लाख स्टूडेंट्स 10 वीं और 12 वीं के रिजल्ट का इंतजार कर रहे हैं। खासतौर से 10 वीं के स्टूडेंट्स कई अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम में एडमिशन लेने के लिए इस रिजल्ट की राह देख रहे हैं। सीनियर सीबीएसई ऑफिशियल के अनुसार, मूल्यांकन प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है लेकिन मार्क्स का वैरिफिकेशन अभी भी बाकी है।

किसान का बेटा हूं, खेत जोत लूंगा, ट्रांसफर की धमकी पर बोले जज

बेंगलुरु। कर्नाटक हाईकोर्ट के जज एचपी सदेश ने आरोप लगाए हैं कि उन्हें तबादले की धमकियां दी जा रही हैं। उनका कहना है कि एंटी कर्षण ब्यूरो और एडीजीपी को लेकर की गई टिप्पणियों के चलते धमकियां मिली हैं। हालांकि, उन्होंने साफ किया है कि वह इस तरह की बातों से डरते नहीं हैं। उन्होंने एसीबी की कार्रवाई पर सवाल उठाए थे और इसे 'भ्रष्टाचार का केन्द्र' बताया था। सोमवार को बेंगलुरु शहरी उपायुक्त कार्यालय के पूर्व तहसीलदार महेश पीएस की जमानत याचिका पर सुनवाई की।

पीएम मोदी ने गुजरात में किया डिजिटल इंडिया वीक का शुभारंभ : बोले कभी जिन कामों को कराने में कई दिन लग जाते थे अब वो हो जाते हैं कुछ ही पलों में

गांधीनगर | एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को गुजरात के गांधीनगर में डिजिटल इंडिया वीक-2022 का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में 'इंडियास्ट्रेक ग्लोबल', 'माइ स्कीम', 'मेरी पहचान', 'डिजिटल इंडिया भाषिणी', 'डिजिटल इंडिया जेनेसिस', 'चिप्स टु स्टार्टअप' और 'केटालाईजिंग न्यू इंडियाज टेकेड', 'की ई-बुक' जैसी अलग-अलग डिजिटल पहलों का शुभारंभ किया। 21 वीं सदी में जिनका जन्म हुआ है उन्हें



डिजिटल लाइफ बहुत कूल लगती है। लेकिन 8-10 साल पहले कि स्थितियों को याद कीजिए, बर्थ सर्टिफिकेट के लिए लाइन, बैंको में लाइन, राशन लेने के लिए लाइन, बिल जमा करना है तो लाइन और एडमिशन के लिए लाइन। इतनी सारी लाइनों का समाधान भारत ने ऑनलाइन होकर कर दिया है। आज जन्म प्रमाण पत्र से लेकर सीनियर सिटीजन की पहचान देने वाले जीवन प्रमाण पत्र जैसी कई सेवाएं ऑनलाइन हैं। जिन कामों में कभी कई दिन लग जाते थे वो अब कुछ पलों में हो जाते हैं।

सारे मोदी घर कहने पर बड़ी राहुल की मुश्किलें झारखंड हाईकोर्ट ने याचिका खारिज कर सिविल कोर्ट में बात रखने दिया निर्देश

रांची। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी को झारखंड हाईकोर्ट से झटका लगा है। हाईकोर्ट ने राहुल गांधी की याचिका खारिज करते हुए उन्हें अपनी बात रांची के सिविल कोर्ट में कहने का निर्देश दिया है। जस्टिस एसके द्विवेदी की अदालत ने कहा कि वह जिन बिंदुओं को हाईकोर्ट में उठा रहे हैं उन्हें सिविल कोर्ट में उठाना चाहिए। इसके पूर्व हाईकोर्ट ने राहुल गांधी के खिलाफ पीड़क कार्रवाई नहीं करने का निर्देश दिया था। राहुल गांधी के खिलाफ रांची सिविल कोर्ट में अधिवक्ता प्रदीप मोदी ने शिकायत दायर की है।

इंजीनियरिंग छात्रा के यौन शोषण का मामला

हिरासत में लिए गए झारखंड के आईएस अफसर रियाज

खूटी | एजेंसी

इंजीनियरिंग की एक छात्रा के यौन शोषण के मामले में झारखंड के खूटी जिले में एक आईएस अधिकारी को हिरासत में लिया गया है। आरोपी ने छात्रा से छेड़खानी और किस करने की कोशिश की। पीड़ित छात्रा आईआईटी मंडी से इंटरशिप करने आए विद्यार्थियों के समूह में शामिल थी। छात्रा ने खूटी के एसडीएम सैयद रियाज अहमद पर यौन शोषण का आरोप लगाया है। उसने खूटी के

महिला थाने में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद एसडीएम को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। सैयद रियाज अहमद 2019 बैच के आईएस अधिकारी हैं। खूटी के एसपी अमन कुमार ने बताया कि 4 जुलाई की शाम को छात्रा की शिकायत दर्ज की गई थी। इसमें आईएस पर उसका यौन शोषण के आरोप लगाए गए हैं। एसपी के अनुसार एक जुलाई की रात सभी लोग पार्टी कर रहे थे। इसी दौरान एसडीएम ने गलत व्यवहार किया।

एक दिन में स्पाइसजेट विमान के दो बड़े हादसे टले दुबई जा रहे विमान की पाक में लैंडिंग कांडला-मुंबई का हवा में विंडशील्ड टूटा

नई दिल्ली। स्पाइसजेट विमान के साथ मंगलवार को एक के बाद एक दो हादसे होते-होते रह गए। पहला मामला सुबह का है जब दिल्ली से दुबई जा रहे विमान में तकनीकी खराबी की वजह से पाकिस्तान के कराची में लैंडिंग करानी पड़ी। दूसरा मामला कांडला से मुंबई जा रहे विमान का है। यह विमान अभी उड़ा ही था कि हवा में करीब 23 हजार फीट की ऊंचाई पर इसके विंडशील्ड आउटर पेन में दरार आ गई। हालांकि, विमान को मुंबई में सुरक्षित उतार लिया गया। बता दें कि पिछले 17 दिनों में स्पाइसजेट के विमान में तकनीकी खराबी की यह सातवीं घटना है।

सातों घटनाओं की जांच करेगा डीजीसीए डीजीसीए के मुताबिक स्पाइसजेट के वयू-400 विमान में 23 हजार फीट ऊंचाई पर विंडशील्ड में दरार आ गई थी। इसके बाद तत्काल कांडला-मुंबई फ्लाइट को मुंबई एयरपोर्ट पर लैंड कराने का निर्णय लिया गया। पिछले 17 दिनों में स्पाइसजेट के विमान में तकनीकी खराबी की यह सातवीं घटना है। डीजीसीए के मुताबिक अधिकारियों ने मंगलवार को हुई दोनों घटनाओं की जांच शुरू कर दी है।

बदलाव

सावन में भक्तों के लिए डेढ़ घंटा पहले जागेंगे महाकाल

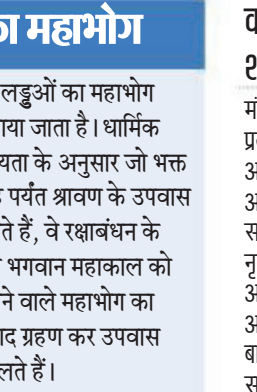
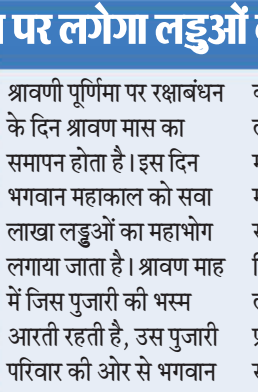
| उज्जैन

ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर में श्रावण मास में भगवान महाकाल की दिनचर्या में बदलाव होगा। अवतिकाथा भक्तों के लिए आम दिनों की अपेक्षा डेढ़ घंटा पहले जागेंगे। पुजारियों के अनुसार श्रावण माह में अधिक भक्तों को दर्शन कराने के लिए भगवान जल्दी जागते हैं। पं. महेश पुजारी ने बताया कि श्रावण मास में भगवान महाकाल के जल्दी जागने का क्रम शुरू हो जाता है। श्रावण माह के प्रत्येक रविवार को रात 2.30 बजे तथा शेष दिनों में रात तीन बजे मंदिर के पट खोले जाते हैं। इसके बाद भस्म आरती होती है और फिर आम दर्शन का सिलसिला शुरू हो जाता है। इस बार 14 जुलाई से श्रावण मास की शुरूआत हो

रही है, इसलिए 13 जुलाई की रात तीन बजे मंदिर के पट खुलेंगे। भस्म आरती के उपरांत सुबह पांच बजे से सामान्य दर्शनार्थियों को मंदिर में प्रवेश दिया जाएगा। बता दें कि विशेष पर्व व त्योहारों को

छोड़कर वर्षभर तड़के चार बजे मंदिर के पट खोले जाते हैं। महाकाल मंदिर शाम पांच बजे भगवान महाकाल की संध्या पूजा होती है। इसके बाद भगवान का भांग श्रृंगार किया जाता है।

को लड्डुओं का महाभोग लगाया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार जो भक्त माह पर्वत श्रावण के उपवास रखते हैं, वे रक्षाबंधन के दिन भगवान महाकाल को लगने वाले महाभोग का प्रसाद ग्रहण कर उपवास खोलते हैं।



कला त्रिवेणी से सजी छह शाम आयोजित होंगी मंदिर समिति द्वारा श्रावण-भादो मास में प्रत्येक रविवार को श्रावण महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इसमें राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कलाकारों के साथ स्थानीय कलकार गीत, संगीत व नृत्य की प्रस्तुति देंगे। पूर्व में यह आयोजन महाकाल प्रवचन हॉल में आयोजित किया जाता था। लेकिन इस बार उत्सव का आयोजन रुद्रसागर के समीप स्थित त्रिवेणी संग्रहालय में होगा। इस बार श्रावण-भादो में कला त्रिवेणी से सजी छह शाम आयोजित होंगी। प्रत्येक शाम तीन कलाकार प्रस्तुति देंगे। मंदिर समिति ने वैधानिक प्रक्रिया से 18 कलाकारों का चयन कर लिया है।

मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में ईडी की कार्रवाई चाइनीज कंपनी वीवो के 44 ठिकानों पर छापेमारी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार को चाइनीज कंपनी वीवो पर छपा मारा है। यूपी, एमपी, बिहार, झारखंड, पंजाब और हरियाणा सहित कई राज्यों के 44 जगहों पर इससे जुड़ी फर्मों में तलाशी ली गई है। मनी लॉन्ड्रिंग केस में यह छापेमारी हो रही है। ईडी की कई टीमों सुबह से अलग-अलग जगहों पर छापेमारी कर रही हैं। इस मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो भी पहले से जांच कर रही है।

आईटी और ईडी के निशाने पर है चाइना की मोबाइल कंपनियां चाइना की अन्य कंपनियों की तरह वीवो भी आईटी और ईडी के रडार पर है। अप्रैल में जांच की मांग की गई थी कि क्या वीवो की ऑनरशिप और फाइनेंशियल रिपोर्ट में गड़बड़ी है या नहीं? ईडी, सीबीआई के साथ-साथ कॉरपोरेट मामलों का मंत्रालय भी इन कंपनियों से जुड़े फर्मों पर कड़ी नजर रखे हुए है।

दस राज्यों में सामने आए 69 मामले भारत में कोरोना का नया वैरिएंट बीए.2.75 मिला

नई दिल्ली। देश में बीते 14 दिन से रोजाना कोरोना के 10 हजार से ज्यादा नए मामले आ रहे हैं। मंगलवार को भी 13,086 नए मामले दर्ज किए गए, 24 संक्रमितों की मौत हो गई। इसके साथ ही देश में कोरोना के नए सब-वैरिएंट बीए.2.75 ने एक्सपर्ट्स में घबराहट पैदा कर दी है। इजराइल के वैज्ञानिक डॉक्टर शाय फलीशोन का दावा है कि भारत के 10 राज्यों में यह सब-वैरिएंट मिला है।

आठ देशों में मिले इस वैरिएंट के 85 मामले अब तक भारत समेत 8 देशों में इस नए सब वैरिएंट के 85 केस सामने आए हैं। 12 जुलाई तक महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, दिल्ली, जम्मू कश्मीर, मध्य प्रदेश, तेलंगाना, और उत्तर प्रदेश, हरियाणा, कर्नाटक और हिमाचल में इसके 69 केस मिले। हालांकि, एक्सपर्ट्स का यह भी कहना है कि जैसे जैसे वायरस कमजोर पड़ेगा, उसके नए सब-वैरिएंट सामने आते रहेंगे।

बोल अनमोल

लक्ष्य को पाने के सहस्र बार आगे बढ़ो और यदि असफल हो जाओ, फिर भी एक बार नया प्रयास अवश्य करो।

- *स्वामी विवेकानंद*

जी-7 का बड़ा निवेश

बीते महीने जर्मनी में आयोजित सात विकसित देशों के समूह जी-7 द्वारा 600 अरब डॉलर निवेश करने की घोषणा से वैश्विक विकास को नयी दिशा मिलने की उम्मीद है। बीते साल समूह ने निम्न और मध्य आय वाले देशों के लिए इस योजना की परिकल्पना की थी। यह निवेश मुख्य रूप से चार क्षेत्रों में होगा- स्वास्थ्य सेवा, डिजिटल कनेक्टिविटी, लैंगिक समानता तथा जलवायु एवं ऊर्जा सुरक्षा। उल्लेखनीय है कि इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी जी-7 बैठक में आमंत्रित थे। इन क्षेत्रों में भारत बहुत सक्रियता से विकास की ओर उन्मुख है। स्वास्थ्य इंफ्रास्ट्रक्चर को गांवों और दूर-दराज के इलाकों में पहुंचाने की योजनाओं के साथ बीमा और अन्य कल्याण कार्यक्रमों के माध्यम से गरीब तबके को स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने की कोशिशें हो रही हैं। कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए चल रहे दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान की चौतरफा प्रशंसा हो रही है। डिजिटल इंडिया कार्यक्रम का मुख्य जोर गांव-गांव तक ब्रॉडबैंड पहुंचाने पर है। बालिकाओं और महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए भी अनेक पहलें हुई हैं। स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों के विकास तथा जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के मामले में भारत एक उदाहरण के रूप में उभरा है। लेकिन इन क्षेत्रों में लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए व्यापक निवेश की आवश्यकता है। कुछ समय पहले क्वाड समूह ने भी हिंद-प्रशांत क्षेत्र में 50 अरब डॉलर के विशेष कोष की घोषणा की है। निश्चित रूप से इन पहलों से भारत समेत कई विकासशील देशों को लाभ होगा। इन प्रयासों को चीन की अगुवाई में चल रहे बेल्ट-रोड परियोजना की प्रतिस्पर्द्धा के रूप में देखा जा रहा है। चीनी परियोजना जितनी महत्वाकांक्षी है, उतनी ही विवादस्पद भी। उसमें शामिल अनेक देश चीनी कर्ज के बोझ तले दबे हुए हैं, तो बहुत से देशों में जनता ही चीनी परियोजनाओं से होने वाले नुकसान के खिलाफ आंदोलनरत है। ऐसे में अविकसित और विकासशील देशों को चीनी शोषण से बचाने तथा अपनी आकांक्षाओं के अनुरूप विकास करने की संभावनाओं को साकार करने के लिए विकसित देशों के सहकार की बड़ी आवश्यकता थी। जानकारों की मानें, तो यह कदम बहुत पहले उठाया जाना चाहिए था और भविष्य में प्रस्तावित धनराशि में बढ़ोतरी करना भी जरूरी होगा। जैसा कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इस वैश्विक भागीदारी की घोषणा करते हुए स्पष्ट किया है कि यह अनुदान नहीं है, बल्कि निवेश है तथा सभी पक्षों को लाभ मिलेगा। भारत ने हमेशा इस बात पर जोर दिया है कि जलवायु संबंधी समस्याओं के स्थायी समाधान तथा सकारात्मक अंतरराष्ट्रीय सहयोग सुनिश्चित करने के लिए विकसित देशों को आगे आना चाहिए।

आज के द्वाीट



मैं देश के प्रधानमंत्री पद की दावेदार नहीं हूं और न ही किसी पद की कोई लालसा है। 2024 में क्यों किसी चेहरे को आगे कर चुनाव लड़ा जाए और क्यों किसी को बिल्ली के गले में घंटी बांधनी है। हमारा देश संघीय ढांचा है, जो राज्यों से मिलकर बनता है। ऐसे में क्षेत्रीय पार्टियों को एक साथ आना चाहिए और लोकसभा मिलकर चुनाव लड़ें। लोग अगले लोकसभा चुनाव में मोदी के विरोध में वोट करेंगे। बीजेपी को नकारने के लिए वोट करें।

- ममता बनर्जी



ये 70 करोड़ लोग अब बेहतर जीवन की आकांक्षा कर रहे हैं और इसे सिर्फ सहकारी क्षेत्र द्वारा ही पूरा किया जा सकता है। कांग्रेस ने सिर्फ ‘गरीबी हटाओ’ का नारा दिया, लेकिन गरीबी को खत्म करने के लिए पर्याप्त उपाय नहीं किए। पूंजीवाद और साम्यवाद शासन के चरम रूप हैं और विकास का सहकारी मॉडल ही देश के लिए सबसे उपयुक्त है।

- अमित शाह

आज का इतिहास

- 1885- लुई पाश्चर ने रेबीज के टीके का सफलतापूर्वक परीक्षण किया।
- 1944- महात्मा गांधी को पहली बार नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने राष्ट्रपिता कहा।
- 2002 - अफगानिस्तान के उपराष्ट्रपति अब्दुल कादिर की हत्या।
- 2006 - विश्व कप फुटबाल में फ्रांस ने पुर्तगाल को हराया।
- 2008 - दक्षिणी भिन्न में 5000 साल पुराने शाही कब्रिस्तान की खोज की गई।
- 2012- संयुक्त राष्ट्र के व्यापार और विकास सम्मेलन (अंकटाड) की जारी विश्व निवेश रिपोर्ट-2012 के अनुसार बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए 2012 से 2014 की अवधि में चीन सबसे आकर्षक निवेश स्थल रहा।

जन्मे जो आज के दिन



श्यामा प्रसाद मुखर्जी

एक महान शिक्षाविद और ध्व्न्तिक होने के साथ-साथ भारतीय जनसंघ के संस्थापक भी थे। उन्हें आज भी एक प्रखर राष्ट्रवादी और कट्टर देशभक्त के रूप में याद किया जाता है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सच्चे अर्थों में मानवता के उपासक और सिद्धांतों के पक्के ईसाज थे। संसद में उन्होंने सदैव राष्ट्रीय एकता की स्थापना को ही अपना प्रथम लक्ष्य रखा था। संसद में दिए अपने भाषण में उन्होंने पुरजोर शब्दों में कहा था कि राष्ट्रीय एकता के घरातल पर ही सुनहरे भविष्य की नींव रखी जा सकती है। भारतीय इतिहास में उनकी छवि एक कर्माट और जुझारू व्यक्तित्व वाले ऐसे ईसाज की है, जो अपनी मृत्यु के इतने वर्षों बाद भी अनेक भारतवासियों के आदर्श और पथप्रदर्शक हैं।

- 1947 - अनवर जलालपुरी - ‘यश भारती’ से सम्मानित उर्दू के मशहूर शायर थे।
- 1935 - दलाई लामा - बौद्ध धर्म के धर्मगुरु।
- 1905 - लक्ष्मीबाई केलकर - भारत की प्रख्यात समाज सुधारक थीं।
- 1837 - रामकृष्ण गोपाल भंडारकर, समाजसुधारक
- 1940 - नूरुलान नानजबाव - कजाखस्तान के राष्ट्रपति थे।
- 1956 - अनिल नाथब देवे - भारत सरकार में भूवर्षिक, वन तथा जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री थे।

क्या एकनाथ मातोश्री से हटा पाएंगे शिवसेना का केंद्र ?



युसुफ अंसारी

महाराष्ट्र में शिवसेना के बागी विधायकों ने बीजेपी के समर्थन से सरकार बना ली है। लेकिन इस यक्ष प्रश्न का अभी उत्तर नहीं मिल पाया है कि असली शिवसेना कौन सी है ? महाराष्ट्र के नए बने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना से बगावत करने वाले 39 विधायकों का गुट असली शिवसेना है या फिर उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में 16 विधायकों वाली

शिवसेना ही असली है। दोनों को ही खुद को असली शिवसेना साबित करने के लिए काफी पापड़ बेलने पड़ेगे। चुनाव आयोग से लेकर हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक लंबी लड़ाई लड़नी पड़ेगी। उद्धव ठाकरे से बगावत करके 38 विधायकों के साथ बीजेपी के समर्थन से सरकार बनाने वाले एकनाथ शिंदे ने अब शिवसेना पर कब्जा करने का कवायद भी शुरू कर दी है। वो दोतरफा रणनीति पर काम कर रहे हैं। एक तरफ तो उनकी मंशा उद्धव ठाकरे के साथ रह गए 16 विधायकों की मान्यता रह कराने की है। दूसरी तरफ वो चुनाव आयोग में शिवसेना और उसके चुनाव निशान धनुष और तीर पर दावा ठोकेंगे।

बीजेपी विधायक राहुल नावेंकर ने महाराष्ट्र विधानसभा का नया स्पीकर बनते ही सबसे पहले एकनाथ शिंदे को शिवसेना के विधायक दल के नेता के तौर पर मान्यता दे दी है। इसी के साथ उन्होंने ठाकरे गुट के सुनील प्रभु की जगह शिंदे गुट के भरत गोगावले को शिवसेना का मुख्य सचेतक घोषित कर दिया। इससे विधानसभा ने शिंदे गुट का पलड़ा भारी हो गया है।

विधानसभा में मुख्य सचेतक बदले जाने से उद्धव ठाकरे गुट कमजोर स्थिति मे आ गया है। अब शिवसेना के विधायकों पर शिंदे गुट का द्धिप लागू होगा। द्धिप का उल्लंघन करने पर उद्धव ठाकरे गुट के विधायकों की सदस्यता समाप्त हो जाएगी। बीजेपी और शिंदे की उम्मीद है कि अपनी सदस्यता बचाने के लिए कई और विधायक उद्धव का साथ छोड़कर उनके साथ आ सकते हैं। शिवसेना ने विधानसभा में मुख्य सचेतक बदलने के स्पीकर के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। शिवसेना के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि नवनि्युक्त अध्यक्ष के पास द्धिप को मान्यता देने का कोई अधिकार क्षेत्र नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले सी सुनवाई 11 जुलाई को करने को कहा है। इसी दिन महाराष्ट्र के सियासी संकट से जुड़े अन्य मामलों की भी सुनवाई होनी है।

गौरललब है उद्धव ठाकरे ने शिंदे की बगावत के बाद उनके गुट के 16 विधायकों की मान्यता रह करने की अर्जी तात्कालीन विधानसभा उपाध्यक्ष को दी थी। लेकिन शिंदे गुट ने विधानसभा उपाध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास



प्रस्ताव लाने की बात कहकर सुप्रीम कोर्ट में उद्धव की शिकायत पर फैसला करने के उनके अधिकार को चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने यह कहते हुए इस शिकायत पर फैसला करने से 11 जुलाई तक रोक लगा दी थी कि जिसका खुद का पद अविश्वास के दायरे में हो वो विधायकों की मान्यता रह करने जैसा महत्वपूर्ण फैसला नहीं कर सकता। अब दोनों गुट की शिकायतों पर 11 जुलाई को एक साथ सुनवाई होगी। इसका मतलब है कि विधानसभा में असली शिवसेना का फैसला भले ही विधानसभा स्पीकर करेंगे लेकिन इस पर मुहर सुप्रीम कोर्ट के फैसले से ही लेगेगी। दिलचस्प है असली शिवसेना की लड़ाई 21 जून से महाराष्ट्र की राजनीति में उठापटक शुरू हुई थी।

एकनाथ शिंदे बागी विधायकों को लेकर सूरत के रास्ते गुवाहाटी पहुंच गए थे। इसी दौरान शिवसेना पर दावे को लेकर एक नई बहस शुरू हुई। एकनाथ शिंदे और उद्धव ठाकरे दोनों ही शिवसेना पर अपना दावा ठोक रहे हैं। बताया जा रहा है कि एकनाथ शिंदे का खेमा पार्टी के चुनाव चिन्ह पर दावा करने की तैयारी कर रहा है। दरअसल असली शिवसेना कौन सी है, ये तय करने के लिए अगली लड़ाई चुनाव आयोग में ही लड़ी जाएगी। अब दावा शिवसेना के चुनाव निशान धनुष और तीर के लिए किया जाएगा। हालांकि यह चुनाव आयोग ही निर्धारित करेगा कि चुनाव चिन्ह किसे मिलेगा। हालांकि शिंदे खेमा खुद को सच्चा शिवसैनिक और बालासाहेब ठाकरे के हिंदुत्व का अनुयायी बता रहा है। उसके सामने अपने दावे चुनाव आयोग के सामने साबित करने की बड़ी चुनौती है।

बाल ठाकरे के चरणों में बैठे शिंदे की डीपी का संदेश बगावत के बाद से एकनाथ शिंदे अपने गुट को असली शिवसेना बताते रहे हैं। सूरत से गुवाहाटी के लिए रवाना होते हुए पत्रकारों के इस सवाल पर कि क्या उन्होंने शिवसेना छोड़ दी है, शिंदे ने कहा था, मैंने शिवसेना नहीं छोड़ी है, मैं

कितना बड़ा है रिलायंस में यह फेरबदल



- जरूरी है कि कंपनी के अहम बिजनेस क्या हैं ?
- रिलायंस इंडस्ट्रीज की वित्त वर्ष 2022 में कुल आमदनी 7.93 लाख करोड़ रही। यह कंपनी अपने आप में एक बिजनेस एंपायर है, जिसके तीन अहम हिस्से हैं।
- इनमें सबसे बड़े तेल और केमिकल बिजनेस से आमदनी 5 लाख करोड़ रही और ऑपरेटिंग प्रॉफिट 58 हजार करोड़ से ज्यादा।
- इसके बाद रिटेल बिजनेस से पिछले वित्त वर्ष में कंपनी की आमदनी करीब 2 लाख करोड़ रही, जिसमें 27 फीसदी की सालाना बढ़ोतरी हुई।
- रिटेल बिजनेस का मुनाफा भी 29 फीसदी बढ़कर वित्त वर्ष 2022 में 7,055 करोड़ रुपये हो गया।
- रिलायंस जियो प्लैटफॉर्मस की आमदनी वित्त वर्ष 2022 में 11 फीसदी बढ़कर 1 लाख करोड़ से अधिक हो गई।
- कंपनी का मुनाफा 23.6 फीसदी बढ़कर साढ़े 15 हजार करोड़ के करीब जा पहुंचा।

रिलायंस के पूरे बिजनेस एंपायर की शेरार बाजार अभी करीब साढ़े 16 लाख करोड़ रुपये कीमत लगा रहा है, जो कम है। अगर कंपनी के तीनों बिजनेस अलग

बालासाहेब के हिंदुत्व और उनकी विचारधारा के साथ आगे बढ़ रहा हूं। हम शिवसेना में रहेंगे, हम बालासाहेब ठाकरे के शिव सैनिक हैं। उन्होंने कहा था कि बालासाहेब ठाकरे ने हमें सिखाया है कि हिंदुत्व की बात पर हम कभी समझौता नहीं करेंगे, सत्ता के लिए भी नहीं। हम शिवसेना नहीं छोड़ेंगे। मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के फौरन बाद उन्होंने अपने टवीटर हैंडल की डीपी बदल दी। उन्होंने बाला साहेब ठाकरे के पैरों के पास बैठे हुए अपनी फोटो लगा दी। इससे उन्होंने ये संदेश देने की कोशिश की कि वो ही बाल ठाकरे की विरासत आगे बढ़ा रहे हैं। बगावत के बाद एकनाथ शिंदे जितनी भी बार मीडिया के सामने आए, उन्होंने हर बार बाला साहेब के हिंदुत्व की बात की है। इससे उद्धव ठाकरे के लिए अपने पिता बाल ठाकरे की राजनीतिक विरासत बचाने की चुनौती खड़ी हो गई है। हालांकि शिवसेना नेता संजय राउत दावा कर रहे हैं कि शिवसेना सत्ता के लिए पैदा नहीं हुई है, सत्ता शिवसेना के लिए पैदा हुई है। यह हमेशा से बालासाहेब ठाकरे का मंत्र रहा है। हम बाला साहेब के विचारों पर चल रहे हैं। ऐसे में ‘असली शिवसेना’ को पार्टी के सभी पदाधिकारियों, विधायकों और सांसदों से बहुमत प्राप्त करना होगा। केवल एक पक्ष में बड़ी संख्या में विधायकों का होना ही किसी गुट को पार्टी के रूप में मान्यता देने के लिए पर्याप्त नहीं है। लेकिन राउत जानते हैं कि विधान सभा में स्पीकर सदन के भीतर सभी फैसले करने में सक्षम हैं।

खुद को असली शिवसेना साबित करना एकनाथ शिंदे के लिए भी आसान नहीं होगा। दल बदल कानून उनके रास्ते में बड़ी रुकावट पैदा कर सकता है। दरअसल इस कानून के मौजूदा प्रावधानों के मुताबिक अब किसी दल में विभाजन नहीं हो सकता बल्कि इसके दो तिहाइ या इससे अधिक सांसद या विधायक किसी दूसरे दल में विलय कर सकते हैं। शर्त ये है कि बैठक संसदीय दल या विधायक दल के नेता की तरफ से बुलाई गई हो। अभी तक एकनाथ शिंदे ने दो तिहाई बहुमत से अधिक विधायकों का समर्थन तो हासिल कर लिया है लेकिन किसी दूसरे दल में इस गुट का विलय नहीं किया है। दलबदल कानून का ये नियम उनकी राह में रोड़ा बन सकता है। इससे बचने के लिए ही शिंदे उद्धव ठाकरे के इनके अधिकारों की मान्यता रह कराने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। विधानसभा में असली शिवसेना का सवाल भी कानूनी दांव पेचों में फंसा हुआ है। पहले शिंदे गुट ने विधानसभा उपाध्यक्ष के अधिकार पर सवाल उठाया था। अब उद्धव ठाकरे गुट ने स्पीकर के अधिकार पर सवाल उठा दिया है। इनके अधिकारों पर फैसला सदन में बहुमत साबित करने के बाद होगा। लिहाजा शिंदे बहुमत साबित करके मुख्यमंत्री की कुर्सी पर तो अपना कब्जा बरकरार रखने में तो कामयाब हो जाएंगे लेकिन पार्टी पर कब्जा करने के लिए उन्हें लंबी कानूनी लड़ाई लड़नी होगी। शिवसेना को मातोश्री से बाहर निकालना इतना आसान नहीं है।

(अस्वीकरण: यह लेखक के निजी विचार हैं।)

होते हैं और डिजिटल के साथ रिटेल बिजनेस को मार्केट में लिस्ट कराया जाता है तो यह रकम कहीं अधिक होगी।

पिछले साल अप्रैल में ग्रे मार्केट में रिलायंस रिटेल की वैल्यू 7 लाख 90 हजार करोड़ रुपये को पार कर चुकी थी। उसके बाद के एक साल में कंपनी का मुनाफा 29 फीसदी बढ़ा है। इसी तरह रिलायंस जियो प्लैटफॉर्मस में कंपनी ने दो साल पहले पांच निवेशकों को हिस्सेदारी 51 लाख 36 हजार करोड़ रुपये के वैल्यूएशन पर बेची थी।

इन बिजनेस की असल वैल्यू भले ही अधिक हो, लेकिन यह कीमत तभी लगेगी जब ये अलग-अलग शेरार बाजार में लिस्ट हों। यह भी कहा जा रहा है कि आगे चलकर रिलायंस ग्रुप के अलग-अलग बिजनेस एक होलिंग कंपनी के अंदर आ जाएंगे। होलिंग कंपनी वाले मॉडल में मार्केट अलग-अलग बिजनेस की पूरी वैल्यू नहीं देता।

आइए, अब एक-एक करके आपको आकाश, ईशा और अनंत के बैकग्राउंड और उनकी जिम्मेदारियों के बारे में बताते हैं। सक्सेशन प्लान में कंपनी का डिजिटल बिजनेस शायद आकाश को मिले। वह 2016 में जियो के लॉन्च होने से पहले उससे जुड़े हैं। इससे दो साल पहले 22 साल की उम्र में ही उन्हें कंपनी के बोर्ड में शामिल कर लिया गया था। कहते हैं कि 2020 में जब जियो में गुगल और फेसबुक ने निवेश किया तो उसके पीछे भी आकाश का ही दिमाग था। आकाश की जुड़वां बहन ईशा आगे रिटेल बिजनेस संभाल सकती हैं। रिलायंस ग्रुप ने 2016 में ई-कॉमर्स बिजनेस में कदम रखा तो उसका श्रेय अमेरिका की येल यूनिवर्सिटी से पढ़ीं और कंसल्टिंग कंपनी मैकिंजी में काम कर चुकीं ईशा को ही जाता है।

मुकेश अंबानी के बच्चों में सबसे छोटे 27 साल के अनंत हैं। उन्होंने भी अपने बड़े भाई आकाश अंबानी की तरह अमेरिका की ब्राउन यूनिवर्सिटी से पढ़ाई की है। माना जा रहा है कि अनंत को कंपनी के एमजी बिजनेस की जिम्मेदारी मिलेगी। लेकिन यह भी कहा जा रहा है कि यह बिजनेस बहुत बड़ा है। अभी इसी बिजनेस से कंपनी को सबसे अधिक आमदनी और मुनाफा होता है। इसलिए शायद उन्हें अकेले इसकी पूरी कमान न मिले।

सवाल यह है कि अगर उत्तराधिकार योजना पर अमल शुरू हो गया है तो यह पूरा कब तक होगा ? अभी जो संकेत मिल रहे हैं, उन्हें देखकर लगता है कि इसमें कुछ साल का वक्त लग सकता है।

अस्वीकरण: ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

चित्रकूट के घाट से

को कृपाल संकर सरिस

विरह मंदिर से भरत पयोधि का मंथन हुआ अमृत प्रकट करने के लिए। अमृत प्रकट होने के पूर्व ‘हलाहल’ का प्रकट होना स्वाभाविक है। भले ही, वह विष की ज्वाला काल जैसी भयावनी प्रतीत हो रही हो, पर उससे कोई नष्ट नहीं हुआ। शंकर जी ने उसे पी लिया और वे नीलकंठ अमर हो गए। यह हलाहल प्रकट हुआ और पिया कैकेयी अम्बा ने। वे ही इसको पान करने वाली नीलकंठ शंकर हैं। श्री शंकर ने पिया-‘को कृपाल संकर सरिस’ कहकर उनकी लोगों ने प्रशंसा की। कैकेयी अम्बा ने पिया लोगों ने उनके महत्व को नहीं पहचाना पर सुजान प्रभु से तो कुछ छिपा नहीं था। उन्होंने घोषणा की-

दोसू देविननिहिं जड़ तेई। जिन्ह गुरसाधु सभा नहिं सेई ॥

हां कैकेयी अम्बा ने अपने लाल राम का कार्य बनाने के लिए ही यह सब कुछ किया था। उसके बदले उन्होंने पाया चिरअपयश, विधवापन और प्रणप्रिय पुत्र से तिरस्कार! बलिहारी! हां तो, प्रभु ही भरत-पयोधि के मन्थनकर्ता थे। उन्होंने ‘सुर साधु’ को प्रेमामृत पिलाकर अमर किया और अपनी अम्बा को अमर कर दिया यह ‘कालकूट’ पिलाकर, उन्होंने ‘एका क्रिया इय अर्थकरी प्रसिद्धा’ का बड़ा ही विलक्षण निर्वाह किया। हम इसमें एक ओर भरत का राम प्रेम पाते हैं, प्रेमी के लिए लौकिक सम्बन्ध नहीं, उसके एकमात्र ‘सब’ राम ही हैं। तो दूसरी ओर, रामप्रेमी कैकेयी का महात्याग! सच्चे प्रेमी का आदर्श प्रेममार्ग अति कठिन है। वह फल नहीं, श्लु का मार्ग है। सम्भव है किन्हीं प्रेमियों पर फूल बरसाये जाते हों, पर शूल-प्रहार भी हो सकता है, उसे सहन कर लेने की शक्तिवाला ही इस पर चल सकता है। निश्चित ही रामायणकाल में सर्वाधिक तिरस्कृत कैकेयी अम्बा थी, पर प्रभु ने कह ही दिया- जननी कैकेयी को वे ही दोष देते हैं, जिन्होंने सत्संग के द्वारा इसका रहस्य नहीं जान लिया है।’

- *पूज्यपाद पं. रामकिंकर उपाध्याय*

मरूधर हिंद

जयपुर। बारिश के मौसम में जलवायु गर्म और आर्द्र होती है। इस मौसम में त्वचा का ख्याल रखना बहुत जरूरी है क्योंकि मौनसून में बैक्टीरियल और फंगल दोनों तरह के संक्रमण होने का खतरा ज्यादा होता है। शरीर में अ ल ग - अ ल ग जगहों पर इंफेक्शन हो सकता है। ऐसे में इन इंफेक्शन को



नजरअंदाज करना आपके लिए परेशानी बढ़ा सकता है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि इस समस्या से बचने के लिए खुद को साफ और सूखा रखना आवश्यक है। इसके साथ ही साबुन के प्रयोग से भी आप खुद को फंगस से संक्रमित होने से बचा सकते हैं। कपड़ों को नियमित रूप से धोएं। बरसात में अगर गीले हो जाएं तो उन्हें फौरन बदल दें। इससे फंगल संक्रमण से बचाव में मदद मिलेगी।

फंगल इन्फेक्शन क्या होता है?

स्किन क्लीनिक के वरिष्ठ त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. अतुल जैन ने बताया कि फंगल इन्फेक्शन काफी आम होता है। मनुष्यों में, फंगल इन्फेक्शन तब होता है जब फंगस आपके शरीर पर सीधे आक्रमण करती है अगर आपका इम्यून सिस्टम उतना मजबूत नहीं होता कि आपको उस इन्फेक्शन से बचा सके। यह एक ऐसा इन्फेक्शन होता है जो शरीर पर

नजरअंदाज करने पर बन सकते हैं परेशानी का सबब

फंगल इन्फेक्शन के कारण

फंगस अक्सर गर्म और नम वातावरण में बढ़ती है। पसीने से तर या गीले कपड़े पहनना भी आपकी त्वचा के इन्फेक्शन के लिए एक जोखिम कारक है। त्वचा के कटने या फटने से भी बैक्टीरिया त्वचा की गहरी परतों में अंदर तक जा सकता है और विभिन्न प्रकार के इन्फेक्शन हो सकते हैं। लंबे समय तक जूते पहनना, तंग कपड़े पहनना, ज्यादा पसीना आना, कमजोर इम्यून सिस्टम के कारण भी फंगल इन्फेक्शन हो सकता है।

ये होते हैं लक्षण

डॉ. अतुल बताते हैं कि वैसे तो फंगल इन्फेक्शन के लक्षण इसके प्रकार पर निर्भर करते हैं, लेकिन कुछ सामान्य लक्षण जैसे त्वचा में परिवर्तन, जिसमें लाल और संभवतः त्वचा का कटना या छिलना, प्रभावित हिस्से में खुजली होने के लक्षण मरीज को हो सकते हैं। फंगल कई प्रकार के होते हैं जिनके लक्षण और जगह अलग-अलग हो सकते हैं। बारिश में टीनिया वर्सीकोलर, जोक इच (दाद का एक प्रकार), एथलीट फुट, दाद या रिंगवॉर्म, स्कैल्प का दाद और नाखून में भी फंगल इन्फेक्शन हो सकते हैं।

इंफेक्शन की गंभीरता को देखते हुए होता है इलाज

फंगल इंफेक्शन को खत्म करने के लिए या जल्दी ठीक करने के लिए कई तरह से ट्रीटमेंट किया जा सकता है। डॉ. अतुल ने बताया कि इंफेक्शन का प्रकार और उसकी गंभीरता को देखते हुए इसका इलाज किया जाता है। फंगल इंफेक्शन की गंभीरता से बचने के लिए शुरूआती लक्षणों में ही इसका इलाज ले लिया जाना चाहिए। शुरूआत में इसे आसानी से ठीक किया जा सकता है। फंगल इंफेक्शन से बचने के लिए पसीने से बचाव, खुले कपड़े पहनना, गीले कपड़ों को सुखाकर रखने जैसे उपाय अपनाएं जा सकते हैं।

कई प्रकार के फंफूद या कवक के कारण हो जाता है, जिनमे डर्मेटोफाइट्स और यीस्ट प्रमुख होते हैं। फंफूद मृत केराटिन में पनपता है और धीरे धीरे हमारे शरीर के



हमारे शरीर के

हमारे शरीर के

हमारे शरीर के

हमारे शरीर के

हमारे शरीर के

हमारे शरीर के

हमारे शरीर के

हमारे शरीर के

हमारे शरीर के

हमारे शरीर के

शाओमी के बाद वीवो के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी, मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप

नई दिल्ली । प्रवर्तन निदेशालय ने चाइनीज कंपनी शाओमी के बाद अब वीवो के ठिकानों पर छापेमारी की है। स्मार्टफोन बनाने वाली चीनी कंपनी पर मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप है, ईडी इसकी जांच कर रही है। अधिकारियों के मुताबिक देशभर में वीवो और उससे जुड़ी कंपनियों के 44 ठिकानों पर छापेमारी की कार्रवाई चल रही है। इससे पहले ईडी ने मोबाइल कंपनी शाओमी की 5,551 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की थी। चीनी स्मार्टफोन मेकर कंपनियों पर रॉयल्टी के नाम पर देश से बाहर पैसा भेजने और टैक्स चोरी का आरोप है। सरकार ने चीन के कंपनियों के खिलाफ जांच तेज कर दी है। इसी सिलसिले में वीवो के ठिकानों पर छापेमारी की कार्रवाई की गई है। सूत्रों के मुताबिक उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार और दक्षिण के कुछ राज्यों में छापेमारी चल रही है। देश के मोबाइल फोन मार्केट में चीनी कंपनियों का दबदबा है। इसमें शाओमी, ओपो और वीवो शामिल हैं। भारत में ये कंपनियां दोनों हाथों से कमा रही हैं, लेकिन एक भी पैसा का टैक्स नहीं देती हैं। सरकार ने इन कंपनियों के गोरखधंधे को उजागर करने के लिए एक विस्तृत जांच शुरू की थी। यह जांच कई एजेंसियां कर रही हैं। इन कंपनियों पर पिछले कुछ वर्षों के दौरान नियामकीय फाइलिंग और दूसरी तरह की रिपोर्टिंग में अनियमितता बरतने का आरोप है। साथ ही उनकी बिजनेस प्रैक्टिसेज की भी जांच की जा रही है। चीनी कंपनियों पर आरोप है कि उन्होंने अपनी इनकम के बारे में जानकारी छिपाई, टैक्स से बचने के लिए प्रॉफिट की जानकारी नहीं दी और भारतीय बाजार में घरेलू इंडस्ट्री को तबाह करने के लिए अपने दबदबे का इस्तेमाल किया। साथ ही इन कंपनियों पर कंपोनेंट्स लेने और प्रोडक्ट्स के डिस्ट्रिब्यूशन में पारदर्शिता नहीं बरतने का भी आरोप है। चीनी कंपनियों ने रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज में जो फाइलिंग की है, उसमें घाटा दिखाया है। जबकि इस दौरान इनकी जबरदस्त बिज्ी हुई और सबसे ज्यादा फोन बेचने वाली कंपनियों की लिस्ट में वे टॉप पर रही।

प्रार्थना भी बदलो 75 प्रतिशत मुस्लिम आबादी वाले इलाके में कट्टरपंथियों का फरमान

नई दिल्ली । झारखंड के स्कूल में धर्म के नाम पर प्रार्थना को जबरन बदले जाने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। राज्य के शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो ने इस पुरे मामले में इस्तक्षेप करते हुए उपायुक्त को कड़ी कार्रवाई करने का आदेश दिया है। शिक्षा मंत्री ने साफ कहा है कि सरकारी स्कूलों में किसी भी तरह के बाहरी हस्तक्षेप को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विद्यालय, कोरवाडीह का यह मामला है। आरोप है कि यहां के प्रधानाध्यापक योगेश राम पर गांव के लोगों ने दबाव बनाया कि वो स्कूल में बरसों से हो रही प्रार्थना को बदल दें। गांव वालों के दबाव की वजह से स्कूल में ‘अब दया कर दान’ प्रार्थना की जगह तू ही राम, तू ही रहीम प्रार्थना शुरू हो गई। बच्चों को हाथ जोड़ प्रार्थना करने से भी मना किया गया। मुस्लिम बहुल गांव के लोगों ने कहा कि स्थानीय स्तर पर उनकी आबादी 75 फीसदी है। इसलिए स्कूल में प्रार्थना के लिए नियम भी हमारे मुताबिक ही बनाने होंगे। इसके बाद प्रधानाध्यापक ने इसकी जानकारी पंचायत के मुखिया और शिक्षा विभाग के अधिकारियों को दी। खुलासा हुआ कि पिछले 4 महीने से स्कूल में पुरानी प्रार्थना को बदल कर नई प्रार्थना छत्रों से करवाई जा रही है। अब इस मामले में राज्य के शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो ने गढ़वा के उपायुक्त से फोन पर बात कर कार्रवाई के आदेश दिये हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूल में ऐसी हरकतों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। स्कूल विभाग की गाइडलाइन के मुताबिक ही चलेंगे। हेमंत सोरेन सरकार के मंत्री ने साफ किया कि कोई गांव अगर मुस्लिम बहुल हो या कोई अन्य धर्म बहुल लेकिन धर्म के मुताबिक, सरकार स्कूल में प्रार्थना की अनुमति नहीं दी जा सकती है।

कर्नाटक : होटल में वास्तु विशेषज्ञ चंद्रशेखर गुरुजी की छुरा घोंपकर हत्या, सीएम ने दिए सख्त एक्शन के निर्देश

नई दिल्ली । कर्नाटक के हुबली में एक होटल में सरल वास्तु से प्रसिद्धि पा चुके चंद्रशेखर गुरुजी की चाकू मारकर हत्या कर दी गई है। इस वारदात का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आ चुका है। इसमें साफ तौर पर दिख रहा है कि होटल के रिसेप्शन पर दो लोग उन्हें चाकू मार रहे हैं। खबर तो यह भी है कि फिलहाल इस मामले को लेकर 2 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। दूसरी ओर मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने पुलिस को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इस घटना को लेकर उन्होंने कहा कि चंद्रशेखर गुरुजी की हत्या जघन्य है, यह दिन के उमाले में हुआ। वीडियो में दिख रहे दौषियों को पकड़ने के लिए मैंने पुलिस कमिश्नर लाभ राम से बात की है. पुलिस पहले से ही इस पर है। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि कुछ लोगों ने उन्हें उस होटल के लॉबी परिया में बुलाया, जहां वह ठहरे हुए थे। एक व्यक्ति ने उसे विश किया और अचानक उसे छुरा घोंपने लगा। कई चोटों के कारण, जब तक उन्हें अस्पताल ले जाया जाता, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। हमने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश कर रहे हैं। सीसीटीवी कैमरे के फुटेज में दिख रहा है कि होटल के ‘रिसेप्शन’ क्षेत्र में दो लोग गुरुजी को लगातार कई बार छुरा घोप रहे हैं। हत्यारों की धपपड़क के लिए पुलिस ने सख्त तलाशी अभियान चलाया है। घटना की जानकारी मिलते ही हुबली के पुलिस आयुक्त लाभू राम मौके पर पहुंचे। पारिवारिक सूत्रों ने बताया कि मूल रूप से गमलघाटे निवासी गुरुजी ने ठेकेदार के रूप में काम करना शुरू किया, लेकिन बाद में उन्हें मुंबई में नौकरी मिल गई। इसके बाद गुरुजी मुंबई में बस गये और वास्तु परामर्श देने लगे। तीन दिन पहले गुरुजी के परिवार के एक बच्चे की मौत हुबली में हो गई थी, जिसके कारण वह यहां आए थे।

दिल्ली से दुबई जा रहे स्पाइसजेट के विमान की कराची में करानी पड़ी इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली । दिल्ली से दुबई के लिए उड़ान भरने वाले स्पाइसजेट के विमान की पाकिस्तान के कराची में इमरजेंसी लैंडिंग हुई है। जानकारी के मुताबिक विमान में कुछ तकनीकी खामी आ गई थी, जिसके चलते कराची में विमान को उतारना पड़ा। फ्लाइट में सवार सभी यात्री पूरी तरह से सुरक्षित हैं। स्पाइसजेट के इस विमान में 150 से ज्यादा यात्री सवार थे। इन सभी को कराची एयरपोर्ट के लॉन्ज में ठहराया गया है। विमान में आई खामी की इंजीनियरों द्वारा जांच की जा रही है और तकनीकी गड़बड़ी को दूर करने के बाद ही उड़ान जारी जाएगी। उड़्यान विभाग की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक इंजीनियरों की ओर से विलयर्स रिपोर्ट मिलने के बाद ही फ्लाइट को आगे के सफर के लिए रवाना किया जाएगा। इस बीच एक अहम जानकारी सामने आई है कि बीते 17 दिनों में यह छठा मौका है, जब स्पाइसजेट के एयरक्राफ्ट में तकनीकी खामी सामने आई है। आज की घटना के साथ ही उड़्यान महानिदेशालय ने पहले हुई 5 घटनाओं की भी जांच शुरू कर दी है। डीजीसीए ने कहा कि स्पाइसजेट का जब बोइंग 737 मैक्स एयरक्राफ्ट दिल्ली से दुबई के सफर में था तो उसके पयूल टैंक में गड़बड़ी सामने आई। बाएं पयूल टैंक में अचानक ही ईंधन कम बताने लगा और विमान के हवा में होने के चलते पायलटों की चिंता बढ़ गई। ऐसी स्थिति में विमान की कराची एयरपोर्ट में ही इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। अशॉपटी की ओर से कहा गया कि कराची में जब जांच की गई तो लेफ्ट टैंक से पयूल लीक का कोई सबूत नहीं मिला। पाकिस्तान के उड़्यान विभाग ने भी स्पाइसजेट एयरक्राफ्ट की इमरजेंसी लैंडिंग की जानकारी दी है। पीसीएए के अधिकारी ने कहा, ‘फ्लाइट के पायलट ने कंट्रोल टावर से उस वक्त संपर्क किया, जब विमान पाकिस्तान के एयरस्पेस से गुजर रहा था। उन्होंने कहा कि विमान में कुछ तकनीकी खामी आ आई है, इसके चलते इमरजेंसी लैंडिंग करनी होगी। हमने मानवीय आधार पर कराची एयरपोर्ट पर विमान की लैंडिंग की परमिशन दी।’ इससे पहले मार्च 2021 में भी ऐसी ही वाक्या सामने आया था, जब शारजाह से लखनऊ आ रहे विमान को मीडिकल इमरजेंसी के चलते कराची एयरपोर्ट पर उतारना पड़ा था।

‘सीमा पार लगभग 150 आतंकवादी मौजूद’, डीजीपी बोले- अमरनाथ यात्रा के लिए सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक दितबाग सिंह ने पाकिस्तान से तस्करी कर लाए गए विपिचिपे बमों को एक फ्रॉगमैन खतमफ बताया लेकिन साथ ही सोमवार को कहा कि अमरनाथ यात्रा के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था है जो सुचारु रूप से चल रही है। उन्होंने यह भी कहा कि सीमा पार लगभग 150 आतंकवादी मौजूद हैं, लेकिन सुरक्षा बल पूरी तरह से सज्जक हैं। सुरक्षा बलों ने आतंिकियों के घातों में घुसने के मंसूबों को विफल कर दिया है। पुलिस प्रमुख ने रियासी जिले के मंडीर में संवाददाताओं से कहा, ‘अमरनाथ यात्रा के लिए सुरक्षा संबंधी सभी उपाय किए गए हैं।’ वह यहीं लश्कर-ए-तैबाह (एलईटी) के दो वांछित आतंकवादियों को गिरफ्तार करने में पुलिस की मदद करने के लिए ग्रामीणों की सहायता करने गये थे। दो आतंकवादी-तालिब हुसेन शाह, राजौरी में हालिया विस्फोटों के पीछे एक मुख्य साजिशकर्ता, और पुराना जिले के उसके कश्मीरी सहयोगी फैसल अहमद डार को रविवार तड़के सुदूर टक्सन ढोक के ग्रामीणों ने काढ़ कर लिया और बाद में पुलिस को सौंप दिया।

प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिबद्धता ने भारत की पाक नीति को आकार दिया : जयशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि सीमापार आतंकवाद को सामान्य स्थिति के रूप में स्वीकार नहीं करने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिबद्धता ने वर्ष 2014 के बाद से भारत की पाकिस्तान नीति को आकार देने में मदद पहुंचायी। दिल्ली विश्वविद्यालय में एक समारोह को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि विदेश में प्रधानमंत्री मोदी ‘सबलोकूष भारतीय’ माने जाते हैं और उनकी कूटनीति को लेकर उनकी सहजता ने उन्हें दुनिया के देशों एवं उनके नेताओं के साथ सम्पर्क बनाने में मदद की।

जयशंकर ने पुस्तक ‘मोदी@20 : ड्रीम्स मीट डिलिवरी’ में अपने लिखे एक अध्याय को पढ़ा और कहा, ‘‘ जब मैं उनसे (प्रधानमंत्री मोदी) वर्ष 2011 में चीन में मिला था, तब मैं राजदूत था। दूसरे मुख्यमंत्रियों के विपरीत उन्होंने खास तौर पर राजनीतिक ब्रीफिंग देने को कहा। ’’ उन्होंने कहा, ‘‘ मुझे उनका (मोदी) इस बात के महत्व को रेखांकित करना याद आता है कि आतंकवाद और संप्रभुता के



मुद्दे पर, हमें विदेश में, खासतौर से चीन में, एक स्वर में बोलने की जरूरत है।’

विदेश मंत्री ने कहा, ‘‘ जब आतंकवाद खास तौर पर इसकी सीमापार प्रकृति की बात आती है, वह (मोदी) पूरी तरह से स्पष्ट थे कि इसे (सीमापार आतंकवाद को) सामान्य स्थिति नहीं बनने दिया

एकनाथ शिंदे ने वीर सावरकर को किया नमन, बोले- हम सभी का सम्मान कर हिंदुत्व को बढ़ाएंगे आगे

अमरावती। (एजेंसी)।

महाराष्ट्र में राजनीतिक उठापटक के बाद एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री बने हैं। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना के 40 विधायकों ने बगावत किया था जिसके बाद महाराष्ट्र में सत्ता परिवर्तन हुआ। मुख्यमंत्री बनने के बाद सोमवार को एकनाथ शिंदे ने दादर इलाके के शिवाजी पार्क में शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे के स्मारक पहुंच कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की थी और कहा था कि उनकी सरकार आम आदमी की सरकार है। इसके बाद आज एकनाथ शिंदे ने वीर सावरकर को नमन किया। उन्होंने कहा कि आज मैं यहां स्वतंत्र वीर सावरकर जी को नमन करने आया हूं, हम लोग बालासाहेब ठाकरे के हिंदुत्व को आगे लेकर जा रहे हैं और हमारी सरकार आम लोगों की सरकार है, हम सभी का सम्मान कर हिंदुत्व को आगे बढ़ाएंगे और राज्य का विकास करेंगे।

पूर्ण समर्थन देने का आश्वासन

एकनाथ शिंदे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें राज्य के विकास के लिए पूर्ण समर्थन देने का आश्वासन दिया है। शिंदे ने सैकड़ों शिवसैनिकों को संबोधित करते हुए कहा कि एक तबकों की आलोचना के बावजूद, उन्होंने जो जैरिखम उठाया (हालिया राजनीतिक घटनाक्रम के संदर्भ में) उसकी लोगों ने सराहना की है। उन्होंने कहा कि मैं पूरे राज्य का दौरा करने जा रहा हूं और हर निर्वाचन क्षेत्र में परियोजनाओं का आवंटन करूंगा। राज्य का पूरी तरह से कायापलट किया

संविधान के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले केरल के मंत्री को बर्खास्त किया जाए : कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)।

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने केरल सरकार के एक मंत्री द्वारा संविधान के बारे में ‘आपत्तिजनक टिप्पणी’ किए जाने को लेकर मंगलवार को कहा कि इस मंत्री को तत्काल बर्खास्त किया जाना चाहिए। पार्टी के सगडून महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने ट्वीट किया, ‘‘ हम केरल सरकार के मंत्री साजी चेरियन द्वारा भारत के संविधान पर हमला किए जाने की निंदा करते हैं और इसे खारिज करते हैं। उन्होंने न सिर्फ इस संविधान को अपमान किया है, जिसकी उन्होंने शपथ ली है, बल्कि बाबा साहेब आंबेडकर और भारत के विचारों को भी उन्होंने अपमानित किया है। उन्हें तत्काल पद से हटایा जाना चाहिए।’’ कांग्रेस महासचिव जयराम

उसको देखते हुए इस बार पिछले सभी रिकॉर्ड टूटने की उम्मीद जताई जा रही है। तीन साल के अंतराल के बाद शुरू हुई अमरनाथ यात्रा को लेकर जहां श्रद्धालुओं में खासा उत्साह है वहीं यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को पालकी की सेवा प्रदान करने वाले, थोड़े और खच्चर वाले, टैट वाले या जरूरी सामान बेचने वाले लोग बहुत खुश हैं। इन लोगों का कहना है कि बर्फ से बने शिवालिंग के दर्शन कर चुके हैं। तीर्थयात्रियों की संख्या जिस तरह तेजी से बढ़ रही है

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कड़ी सुरक्षा के बीच पवित्र अमरनाथ यात्रा जारी है। मंगलवार सुबह भी 6,300 से अधिक तीर्थयात्रियों का छत्र जत्था पवित्र अमरनाथ गुफा के दर्शन के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने बताया है कि अभी तक 72000 से अधिक तीर्थयात्री पवित्र गुफा में बर्फ से बने शिवालिंग के दर्शन कर चुके हैं। तीर्थयात्रियों की संख्या जिस तरह तेजी से बढ़ रही है

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को कहा कि एमसीडी चुनाव नहीं कराने के लिए केंद्र अपनी शक्तियों का प्रयोग कर रहा है और गुंडागर्दी कर रहा है। दिल्ली विधानसभा में बोलते हुए, केजरीवाल ने कहा कि आप सरकार एमसीडी चुनाव समय पर कराने के लिए इस मामले में अदालत का रुख करेगी। केजरीवाल ने कहा कि एमसीडी चुनाव समय पर कराने के लिए हमें अदालत का दरवाजा खटखटाना होगा और हम करेंगे।

केजरीवाल ने दावा किया कि ऐसी बातचीत चल रही है कि दिल्ली को पूर्ण केंद्र शासित प्रदेश में बदला जा सकता है और फिर चुनाव नहीं होंगे। दिल्ली नगर निगम (संशोधन) अधिनियम, 2022 के इस साल की शुरुआत में संसद में पारित होने के बाद, राष्ट्रीय राजधानी के तीन नगर निकायों को मिलाकर दिल्ली का नया एकीकृत नगर निगम 22 मई को लागू हुआ। तीनों नगर निकाय - उत्तर, दक्षिण और पूर्वी

इस साल अमरनाथ यात्रियों की बड़ी संख्या को देखकर खुश हैं टैट और खच्चर वाले

गयी थी और उसके बाद दो साल कोरोना में निकल गये जिससे इस यात्रा का आयोजन नहीं हो सका था लेकिन अब जब हालात में बड़ा सुधार आया है तो श्रद्धालुओं की भीड़ आने से कारोबार अच्छा हो रहा है। प्रभासाक्षी संवाददाता ने जब इन लोगों की प्रतिक्रिया जाननी चाही तो सभी ने अपनी खुशी जताई।

उपराज्यपाल ने लिया सुविधाओं का जायजा

वहीं अमरनाथ यात्रा के दौरान

योगी सरकार का 100 दिन का कार्यकाल निराशाजनक : मायावती



लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार के दूसरे कार्यकाल के 100 दिन पूरे होने पर बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमा मायावती ने मंगलवार को निशाना साधा है। बसपा नेता ने ट्वीट कर कहा, ‘यूपी भाजपा सरकार ने 100 दिन के कार्यकाल का काफी जश्न मना लिया किन्तु गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई आदि की ज्वलंत समस्याओं को दूर करने, कानून-व्यवस्था बेहतर बनाने, सभी जाति व धर्मों में आपसी भाईचारा एवं साम्प्रदायिक सौहार्द पैदा करने के मामले में इनका कार्यकाल उदासीन व अति-निराशाजनक है।’ गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने सोमवार को अपने दूसरे कार्यकाल के शुरुआती 100 दिनों में किए गए कार्यों का ‘रिपोर्ट कार्ड’ पेश किया था। मुख्यमंत्री ने अपने दूसरे कार्यकाल के 100 दिन पूरे होने पर यहां संवाददाता सम्मेलन में अपनी इस शुरुआती कार्य अवधि का व्यौरा पेश करते हुए कहा था कि यह शुरुआती 100 दिन सेवा, सुरक्षा और सुशासन के प्रति समर्पित रहे। सरकार ने ‘जो कहा सो किया’ के इस परंपरागत अभियान को आगे बढ़ाते हुए निर्धारित लक्ष्य से ज्यादा काम किया है।

अब नौसेना में दिखेगी बेटियों की ताकत अग्निपथ के तहत 20 फीसदी महिलाओं को मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)।

सरकार ने अग्निपथ योजना के विरोध के बीच ही भर्ती के नोटिफिकेशन जारी कर दिए थे। इस स्कीम के तहत तीनों सेनाओं में भर्ती के लिए बड़ी संख्या में अस्थर्धी आवेदन कर रहे हैं। भारतीय नौसेना की तरफ से मंगलवार को कहा गया कि अग्निपथ के तहत 20 फीसदी भर्तियां महिलाओं की की जाएंगी। एक नौसेना अधिकारी ने बताया कि इन अग्निवीरों को समुद्री रक्षा बल की अलग-अलग ब्रांच में भेजा जाएगा। नौसेना ने 1 जुलाई से ही भर्ती की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अधिकारी ने बताया कि अब तक 10 हजार से ज्यादा महिलाओं ने आवेदन किए हैं। अधिकारियों ने कहा, नेवी में अग्निपथ योजना जेंडर न्यूट्रल है। अब भी हमारे यहां युद्धभोतों पर 30 महिला अधिकारी लीड करती हैं। जिन ब्रांचों में महिला अग्निवीरों को पोस्ट किया जाएगा उनमें ऑर्डनैस, इलेक्ट्रिकल एंड नेवल एयर मंकेनिक्स, कर्प्युनिकेशन एंड कर्प्युनिकेशन वारफेयर, गनरी वेपन्स ऍंड सेंसर्स शामिल हैं। पहली बार ऐसा होने जा रहा है जब कि वॉरशिप पर तैनात करने के लिए महिला सेलर्स की भर्ती की जाएगी। नौसेना के अधिकारियों ने कहा कि पहली बार महिला सेलर्स की भर्ती की जाएगी जो कि समुद्र में अपनी इ्यूटी देंगी। बता दें कि आर्मी ने भी 1 जुलाई को ही अग्निपथ योजना के तहत भर्ती की प्रक्रिया शुरू कर दी है। देशभर में भर्ती रैली की तारीफ पर फैसला हो गया है। 14 जून को अग्निपथ योजना लॉन्च की गई थी। इसके बाद देशभर में इसके विरोध में प्रदर्शन हुए। विपक्षी दलों ने भी इस योजना को राष्ट्रहित और युवाओं को विरुद्ध बताया और प्रदर्शन किए। इसके तहत अग्निवीर चार साल तक सेना में सेवा देंगे और इसके बाद 75 फीसदी सैनिक रिटायर हो जाएंगे। वहीं 25 फीसदी को स्थायी नौकरी दी जाएगी। बहुत दबाव के बावजूद सरकार ने साफ कह दिया है कि यह योजना वापस नहीं ली जाएगी। सुप्रीम कोर्ट में भी एक याचिका इस योजना के विरोध में दी गई है जिसपर सुनवाई के लिए कोर्ट तैयार हो गया है।

इंग्लैंड के खिलाफ भारत की शर्मनाक हार

पांच टेस्ट मैचों की सीरीज
2-2 से बराबर

पांचवें टेस्ट में 7 विकेट से अंग्रेजों ने दी मात

350+ का टारगेट देकर पहली बार हारी टीम इंडिया

बर्मिंघम | एजेंसी

भारत का इंग्लैंड में 15 साल बाद टेस्ट सीरीज जीतने का सपना चकनाचूर हो गया। इंग्लैंड ने बर्मिंघम टेस्ट में टीम इंडिया को 7 विकेट से हरा दिया। बेहतरीन फॉर्म में चल रहे जो रूट (142) और जॉनी बेयरस्टो (114) के बीच चौथे विकेट के लिए हुई 269 रनों की पार्टनरशिप की बदौलत इंग्लैंड ने 378 रन के टारगेट को तीन विकेट खोकर हासिल कर लिया। इसके साथ ही पांच टेस्ट मैचों की सीरीज 2-2 से बराबर हो गई है। ये पहली बार है जब भारत ने विरोधी टीम को 350 से अधिक का टारगेट दिया हो और उसके बाद भी मैच गंवा दिया।

रूट के बल्ले ने मचाया धमाल

जो रूट ने पाचवें दिन अपने टेस्ट करियर का 28वां शतक जड़ा। 2021 के बाद इंग्लैंड के इस बल्लेबाज के बल्ले से 47 पारियों में 11 शतक निकल चुके हैं। भारत के खिलाफ रूट की 9वीं सेंचुरी रही। भारतीय टीम दूसरी पारी में 245 रन पर ऑल-आउट हो गई और इंग्लैंड को 378 रन का लक्ष्य मिला। ऐसा लगा ये लक्ष्य बड़ा है, लेकिन भारतीय गेंदबाजों को पहले इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाजों ने धोया। एलेक्स लीस और जैक क्रॉली ने पहले विकेट के लिए 107 रन जोड़े, हालांकि इसके बाद 2 रन के अंदर 3 बल्लेबाज पवेलियन लौटे और ऐसा लगा भारत ने मैच में वापसी कर ली है, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जॉनी बेयरस्टो और जो रूट ने तो पूरा मैच ही बदल दिया। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 107 रन जोड़े और मैच को इंग्लैंड के पक्ष में ले गए।

बुमराह ने दो विकेट लिए
फिर भारत ने दो रिव्यू गंवा दिए

टीम इंडिया के कप्तान जसप्रीत बुमराह ने मैच के चौथे दिन इंग्लैंड के शुरूआती दोनों विकेट झटके। टी से पहले उन्होंने जैक क्रॉली को 46 रन के निजी स्कोर पर बोल्ट किया। वहीं, टी के बाद पहली ही गेंद पर ओली पोप को विकेट के पीछे कैच आउट कराया। इंग्लैंड दोनों झटकों से अभी संभल भी नहीं पाया था, तभी मोहम्मद शमी के एक शानदार थ्रो ने एलेक्स लीस को रन आउट कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद भारत ने दो

ओवर में 2 रिव्यू गंवा दिए। पहले रवींद्र जडेजा की गेंद पर जो रूट के लिए एलबीडब्ल्यू की अपील हुई, लेकिन अंपायर ने नॉट-आउट दे दिया। भारतीय खिलाड़ियों को लगा रूट आउट हैं और रिव्यू ले लिया। रिप्ले में साफ नजर आया कि बॉल लोग स्टंप से बाहर जा रही है। इसके अगले ओवर में शमी की गेंद पर एक बार फिर भारतीय खिलाड़ियों ने छद्म के लिए जोरदार अपील की। इस बार भी बल्लेबाज रूट ही थे। रिप्ले में साफ नजर आया कि गेंद स्टंप से ऊपर जा रही है और एक बार फिर रूट बच गए और टीम इंडिया ने अपने दो रिव्यू गंवा दिए।

पंत-पुजारा ने बनाए सबसे ज्यादा रन

भारत के लिए दूसरी पारी में सबसे ज्यादा रन चेतेश्वर पुजारा ने बनाए। उन्होंने 66 रनों की पारी खेली। इस दौरान उनके बल्ले से 8 चौके निकले। पुजारा को स्टुअर्ट ब्रॉड ने पवेलियन भेजा। ब्रॉड की पटकी हुई गेंद को चेतेश्वर पॉइंट की दिशा में खेलना चाहते थे, लेकिन वहां खड़े एलेक्स लीस ने आसान सा कैच लपक लिया। वहीं, पहली पारी में शानदार 146 रन बनाने वाले ऋषभ ने दूसरी पारी में भी अर्धशतक जड़ा। वह 86 गेंद में 57 रन बनाकर आउट हुए। ये उनके टेस्ट करियर की 10वीं फिफ्टी रही। उन्हें जैक लीच ने अपना शिकार बनाया। श्रेयस अय्यर एक बार फिर बड़ी पारी नहीं खेल पाए। मैथ्यू पॉट्स की शॉर्ट गेंद को वो पुल करना चाहते थे, लेकिन जेम्स एंडरसन को एक आसान कैच दे बैठे। अय्यर के बल्ले से 19 रन निकले। इंग्लैंड की ओर से सबसे ज्यादा 4 विकेट बेन स्टोक्स ने लिए।

खेल स्कोर		जॉनी बेयरस्टों नाबाद 114
भारत और इंग्लैंड के बीच पांचवें और आखिरी क्रिकेट टेस्ट का स्कोर इस प्रकार है।	अतिरिक्त : 20 रन	
भारत पहली पारी : 416 रन	विकेट पर 378 रन	
इंग्लैंड पहली पारी : 245 रन	पतन : 1 . 107, 2 . 107, 3 . 109	
भारत दूसरी पारी : 284 रन	गेंदबाजी :	
इंग्लैंड दूसरी पारी :	बुमराह	17 . 1 . 74 . 2
एलेक्स लीस रन आउट 56	शमी	15 . 2 . 64 . 0
जैक क्रॉली वो बुमराह 46	जडेजा	18.4 . 3 . 62 . 0
ओली पोप का पंत वो बुमराह 0	सिराज	15 . 0 . 98 . 0
जो रूट नाबाद 142	ठाकुर	11 . 0 . 65 . 0



विंबलडन में मुकाबले

सानिया मिर्जा सेमीफाइनल में : मिक्स्ट डबल्स इवेंट में अपने जोड़ीदार के साथ डाब्रोवस्की-पीयर्स को हराया

लंदन | एजेंसी

भारत की स्टार टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा ने अपने जोड़ीदार मेट पाविक के साथ साल के तीसरे ग्रैंड स्लैम विंबलडन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। भारतीय-क्रोएशियाई जोड़ी ने मिक्स्ट डबल्स के क्वार्टर फाइनल में रोमांचक जीत हासिल की। उन्होंने सोमवार को चौथी वरीयता प्राप्त गैब्रिएला डाब्रोवस्की और जॉन पीयर्स को सीधे सेटों में हराया। हालांकि, इस जीत के लिए विजेता खिलाड़ियों को संघर्ष करना पड़ा। यहां बता दें कि यह सानिया मिर्जा का आखिरी विंबलडन है। 35 साल की इस भारतीय खिलाड़ी ने पहले ही घोषणा कर दी है कि 2022 सीजन उनके करियर का आखिरी दौर होगा।

डेढ घंटे से ज्यादा चला मुकाबला

मिर्जा और पाविक की जोड़ी ने डाब्रोवस्की-पीयर्स की जोड़ी को 6-4, 3-6, 7-5 से हराया। यह मुकाबला एक घंटे 41 मिनट तक चला। पूरे मैच में सानिया और पाविक अपने



रिटर्न्स के साथ मजबूत दिखे। इन दोनों ने आखिरी सेट में प्रतिद्वंद्वियों पर दबाव कम नहीं होने दिया।

6 साल पहले जीता था आखिरी ग्रैंड स्लैम

सानिया मिर्जा ने आखिरी ग्रैंड स्लैम टाइल 2016 में जीता था। वे ऑस्ट्रेलिया ओपन के विमेन डबल्स इवेंट में चैंपियन बनी थीं। 2015 में सानिया मिर्जा ने विंबलडन का डबल्स खिताब जीता था। मिक्स्ट डबल्स में आखिरी ग्रैंड स्लैम सानिया ने 2014 में जीता था।

हालेप क्वार्टर फाइनल में

रोमानिया की सिमोना हालेप ने एकतरफा मुकाबले में चौथी वरीय पाउला बाडोसा को सीधे सेटों में हराकर विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। सोलहवीं वरीय हालेप ने बाडोसा को 6-1, 6-2 से हराकर आल इंग्लैंड क्लब पर लगातार 11वां मैच जीता और पांचवीं बार विंबलडन क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। हालेप ने 2019 में विंबलडन खिताब जीता था जबकि इसके अगले साल कोरोना वायरस महामारी के कारण इस टूर्नामेंट को रद्द कर दिया गया। रोमानिया की यह खिलाड़ी बाएं पैर की पिडली में चोट के कारण पिछले साल टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पाई थी। बाडोसा के खिलाफ हालेप ने पूरी तरह से दबदबा बनाया और अपनी सिंवस पर सिर्फ आठ अंक गंवाए और इस दौरान अपनी सिंवस पर एकमात्र ब्रेक प्वाइंट भी बचाया। रोमानिया की इस खिलाड़ी ने बाडोसा की सिंवस पर भी 55 में से 30 अंक जीते। हालेप अगले दौर में अमांडा अनिसिमोवा से भिड़ेंगी। अमेरिका की 20वीं वरीय अमांडा ने पदार्पण कर रही फ्रांस की हार्मोनी टेन को 6-2, 6-3 से हराया। हार्मोनी ने पहले दौर में सरेना विलियम्स को हराया था।



राफेल नडाल आठवीं बार क्वार्टर फाइनल में , अब टेलर फ्रिट्ज से होगा मुकाबला

टेनिस स्टार राफेल नडाल ने विंबलडन ओपन 2022 में पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने बोटिक वैन डे जांडशुल्य को सीधे सेटों में मात दी और मुकाबला आसानी से अपने नाम किया। सेंटर कोर्ट में हुए इस मुकाबले में नडाल ने 6-4, 6-2, 7-6 के अंतर से जीत दर्ज की। 36 साल के नडाल इस साल गजब की लय में हैं और पहले ही दो ग्रैंड स्लैम जीत चुके हैं। साल की शुरूआत में उन्होंने ऑस्ट्रेलियन ओपन अपने नाम किया था। इसके बाद फ्रेंच ओपन में भी जीत दर्ज की। अब उनकी निगाह विंबलडन ओपन पर है। दूसरी वरीयता प्राप्त नडाल ने इस मैच में 21वीं



वरीयता प्राप्त बोटिक के खिलाफ शानदार लय में दिखे और डच खिलाड़ी के खिलाफ जीत दर्ज की। हालांकि आखिरी सेट में उन्हें संघर्ष करना पड़ा, लेकिन नडाल ने यह मुकाबला तीन सेट के अंदर ही खत्म किया। इससे पहले वो लगातार तीसरे सेट में हार रहे थे, पर इस मैच में उन्होंने अपनी इस कमजोरी को दूर किया। क्वार्टर फाइनल में नडाल का मुकाबला 11वीं वरीयता प्राप्त अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज से होगा। नडाल को इस साल की शुरूआत में टेलर फ्रिट्ज ने इंडियन वेल्थ के फाइनल में मात दी थी। अब नडाल विंबलडन के क्वार्टर फाइनल में फ्रिट्ज को हराकर बदला लेना चाहेंगे।

शाकिब अल हसन के नाम टी-20 में 2000 रन और 100 विकेट

बांग्लादेश के स्टार ऑल-राउंडर शाकिब अल हसन अंतरराष्ट्रीय टी20 में 2000

रन और 100 विकेट पूरे करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। शाकिब ने यह कीर्तिमान वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए दूसरे टी-20 मुकाबले में हासिल किया। शाकिब ने इस मैच में 52 गेंदें खेलकर 68 रन बनाकर अंतरराष्ट्रीय टी20 में 2000 रन पूरे किए हालांकि बांग्लादेश वेस्टइंडीज के 193 रन का पीछा करते हुए 20 ओवर में 158 रन ही बना सकी और 35 रन से हार गई। उन्होंने गेंदबाजी करते हुए एक विकेट भी लिया। शाकिब 98 मैचों के अपने टी-20 करियर में 23.31 की औसत और 12.86 की स्ट्राइक रेट से 2005 रन बना चुके हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय टी20 में 10 अर्द्धशतक लगाए हैं। साथ ही शाकिब ने 6.7 की इकॉनमी के साथ बांग्लादेश के लिए 120 विकेट भी लिए हैं।



महिला एकदिवसीय रैंकिंग

मंधाना आठवें स्थान पर शेफाली भी आगे बढ़ी

दुबई | एजेंसी

भारतीय उप कप्तान स्मृति मंधाना अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की मंगलवार को यहां जारी नवीनतम महिला एकदिवसीय रैंकिंग की बल्लेबाजी सूची में एक स्थान के फायदे से आठवें स्थान पर पहुंच गईं। मंधाना ने सोमवार को श्रीलंका के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में भारत की 10 विकेट की जीत के दौरान 83 गेंद में नाबाद 94 रन की पारी खेली। वह बल्लेबाजी सूची में शीर्ष 10 में शामिल एकमात्र भारतीय हैं। आस्ट्रेलिया की एलिसा हॉली शीर्ष पर चल रही हैं जबकि इंग्लैंड की नताली स्क्रिवर दूसरे स्थान पर हैं।

दीप्ति को मिले 20 रेटिंग अंक

आलराउंडर दीप्ति शर्मा और सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है। इन दोनों ने पालेकल में श्रीलंका के खिलाफ खेली जा रही तीन मैचों की आईसीसी महिला चैंपियनशिप श्रृंखला (आईडब्ल्यूसी) में भारत को 2-0 की बड़त हिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दीप्ति ने 25 रन पर तीन विकेट चटकाने के अलावा नाबाद 22 रन बनाए जिससे वह बल्लेबाजों की सूची में दो स्थान के फायदे से 29वें स्थान पर हैं जबकि गेंदबाजों की सूची में भी तीन स्थान के फायदे से 16वें पायदान पर पहुंच गई हैं। आलराउंडरों की सूची में दीप्ति को 20 रेटिंग अंक मिले और वह छठे स्थान पर मौजूद आस्ट्रेलिया की एशलेग गार्डनर से सिर्फ एक अंक पीछे है।



न्यूजीलैंड क्रिकेट का बड़ा कदम, पुरुष और महिला क्रिकेटर्स को मिलेगा समान वेतन

क्राइस्टचर्च | एजेंसी

न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) और खिलाड़ी संघ के बीच पांच साल के एतिहासिक करार के बाद विश्व क्रिकेट में पहली बार देश की पुरुष और महिला क्रिकेटर्स को सभी प्रारूपों और प्रतिवोगिताओं में समान मैच फीस मिलेगी। एनजेडसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी

डेविड वाइट ने बयान में कहा, मैं इस तरह के महत्वपूर्ण समझौते पर पहुंचने में भूमिका के लिए खिलाड़ियों और बड़े संघों को धन्यवाद और बधाई देना चाहता हूं। उन्होंने कहा, यह हमारे खेल का सबसे महत्वपूर्ण करार है जो एनजेडसी, बड़े संघों और हमारे खिलाड़ी के लिए बाध्यकारी होगा और क्रिकेट में कोष, प्रगति और विकास की आधारशिला रखेगा।

चिप आपूर्ति में सुधार से यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री जून में 40 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली | एजेंसी

देश में यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री जून में 40 प्रतिशत बढ़ी, जिससे सेमीकंडक्टर आपूर्ति में सुधार का संकेत मिलता है। खासकर एसयूवी खंड के लिए मांग मजबूत बनी हुई है। ऑटो डीलरों के निकाय फाडा ने मंगलवार को यह जानकारी दी। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के अनुसार यात्री वाहनों (पीवी) का पंजीकरण पिछले महीने सालाना आधार पर 40 प्रतिशत बढ़कर 2,60,683 इकाई हो गया, जबकि जून 2021 में यह आंकड़ा 1,85,998 इकाई था।

फाडा के अध्यक्ष विकेश गुलाटी ने एक बयान में कहा, “यात्री वाहन खंड में मजबूत वृद्धि देखी जा रही है। आपूर्ति में वृद्धि स्पष्ट रूप से दिखाती है कि सेमीकंडक्टर उपलब्धता अब बढ़ रही है।” उन्होंने कहा कि चिप की कमी के कारण खासतौर से कॉम्पैक्ट



एसयूवी और एसयूवी खंड में प्रतीक्षा अवधि अधिक बनी हुई है। फाडा के आंकड़ों के मुताबिक पिछले महीने दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री 20 प्रतिशत बढ़कर 11,19,096 इकाई हो गई, जबकि एक साल पहले की इस अवधि में यह 9,30,825 इकाई थी। वाणिज्यिक वाहनों की खुदरा बिक्री में भी पिछले महीने सालाना आधार पर 89 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

लागत बढ़ने के बावजूद जून में सेवा गतिविधियां 11 साल के उच्चतम स्तर पर

नयी दिल्ली। भारत की सेवा क्षेत्र की गतिविधियां अप्रैल 2011 से अपने उच्चतम स्तर पर हैं। एक मासिक सर्वेक्षण में मंगलवार को बताया गया कि लागत बढ़ने के बावजूद मांग दशाओं में सुधार के चलते यह सुधार हुआ। मौसमी रूप से समायोजित एसएंडपी ग्लोबल भारत सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक मई में 58.9 से बढ़कर जून में 59.2 हो गया। यह अप्रैल 2011 के बाद का उच्चतम स्तर है। सेवा क्षेत्र में लगातार 11वें महीने में उत्पादन में बढ़ोतरी हुई। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से अधिक अंक का अर्थ है कि गतिविधियों में विस्तार हो रहा है, जबकि 50 से नीचे अंक संकुचन को दर्शाता है। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंडेक्स में संयुक्त निदेशक पोलियाना डी लीमा ने कहा कि फरवरी 2011 के बाद से सेवाओं की मांग में सबसे ज्यादा सुधार देखने को मिला और आर्थिक गतिविधियों में विस्तार से इसे मजबूती मिली।

सैंसेक्स में 100 अंकों की गिरावट, 41 पैसे कमजोर होकर रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचा रुपया

मुंबई | एजेंसी

शेयर बाजार के लिए मंगलवार का दिन भी बेहद उतार-चढ़ाव भरा रहा है। कारोबार की शुरूआत मजबूती के साथ हुई, इंडूडे में बाजार और मजबूत हुआ। लेकिन कारोबार के अंत में बाजार पूरी बड़त गंवाकर लाल निशान में बंद हुआ है। सैंसेक्स में 100 अंकों की गिरावट रही तो निफ्टी 15800 के करीब आकर बंद हुआ। निफ्टी पर बैंक और फाइनेंशियल इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए।

सेंसेक्स में 100 अंकों की गिरावट रही, यह 53,134 के लेवल पर बंद हुआ। जबकि निफ्टी 25



अंक टूटकर 15811 के लेवल पर बंद हुआ। सेंसेक्स 30 के 19 शेयर लाल निशान में बंद हुए हैं, जबकि 11 हरे निशान में। आज के टॉप लूजर्स में आईटीसी, विप्रो, एक्सिस बैंक, एम एंड एम, एलटी, मारुति, एचडीएफसी और इंडसइंड बैंक शामिल हैं।

रुपया 41 पैसे कमजोर होकर

79.36 पर बंद डॉलर के मुकाबले रुपया मंगलवार को रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। ये 41 पैसे कमजोर होकर 79.36 पर बंद हुआ। इससे पहले डॉलर के मुकाबले रुपया आज 5 पैसे कमजोर होकर 78.95 के मुकाबले 79 पर खुला था। वहीं कल यानी सोमवार के कारोबार में डॉलर के मुकाबले 9 पैसे बढ़कर 78.95 के स्तर पर बंद हुआ।

कृष्ण जन्मभूमि केसः मुस्लिम पक्ष ने उठाया केशव देव विराजमान की याचिका की स्वीकार्यता पर सवाल

लखनऊ, (एजेंसी)। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामले में ठाकुर केशव देव महाराज विराजमान की स्वीकार्यता (मेंटेनेबिलिटी) पर मथुरा सिविल कोर्ट 7 जुलाई को विचार करेगा। मंगलवार को हुई सुनवाई में हिंदू पक्ष ने शाही मस्जिद के सर्वे के लिए कोर्ट कमिश्नर नियुक्त किए जाने की मांग रखी, लेकिन वक्फ बोर्ड और मस्जिद ट्रस्ट के वकीलों ने कहा कि याचिका सुनवाई के लायक ही नहीं है।

मामले की सुनवाई कर रही सिविल जज सीनियर डिवीजन ज्योति सिंह ने हिंदू पक्ष से पहले इस मुद्दे पर जवाब देने के लिए कहा। सिविल जज सीनियर डिवीजन की कोर्ट में मंगलवार को 2 याचिकाएं सुनवाई के लिए लगी थीं। इनमें एक थी वाद संख्या 950/20 जिसमें ठाकुर केशव देव महाराज विराजमान (देवता) के अलावा जय भगवान गोकुल, सौरभ गोड़, राजेंद्र माहेश्वरी व महेंद्र प्रताप सिंह वादी हैं। दूसरी याचिका थी वाद संख्या

सात जुलाई को कोर्ट करेगा विचार



152/21 जिसे नारायणी सेना नाम की संस्था के

अध्यक्ष मनीष यादव ने दाखिल की है। केशव देव विराजमान की याचिका की स्वीकार्यता पर कोर्ट में 7 जुलाई को बहस होगी। वहीं मनीष यादव की याचिका को 16 जुलाई के लिए लगा दिया गया है।

विवादित जगह से की गई मस्जिद हटाने की मांग: केशव देव विराजमान और श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह की याचिका में पुरी 13.37 एकड़ जमीन हिंदुओं को सौंपने की मांग की गई है।

बुलेट ट्रेन की उम्मीदें फिर से पटरी पर लौटें

महाराष्ट्र में जमीन अधिग्रहण तेज करेगी शिंदे सरकार

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे-भाजपा की नई सरकार बनते ही बुलेट ट्रेन को लेकर हलचल शुरू हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट बुलेट ट्रेन को लेकर उम्मीदें फिर से पटरी पर आती दिख रही हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने खुद एक कार्यक्रम में बुलेट ट्रेन के संभावित किएाए का जिक्र किया है। उनके मुताबिक, बुलेट ट्रेन का कारियाय ट्रेनों के ऐसीही कारिये के आधार पर तय किया जाएगा। रेलवे की अब तक की इस सबसे बड़ी परियोजना पर उद्धव ठाकरे की सरकार ने ब्रेक लगा रखे थे। अब उनकी विदाई के साथ बुलेट ट्रेन के अटके काम के फिर से जोर पकड़ने की संभावना है।

भारत में बुलेट ट्रेन चलाने की योजना पर महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की अगुआई वाली पिछली सरकार ही सबसे बड़ा रोड़ा बनी हुई थी। उद्धव ठाकरे की शिवसेना ने बुलेट ट्रेन को कभी सपोर्ट नहीं किया। महाराष्ट्र में बुलेट ट्रेन को लेकर सबसे बड़ी समस्या जमीन अधिग्रहण की है। एक तरफ जहां 99 फीसदी जमीन का अधिग्रहण हो चुका है। दादरा व नागर हवेली में जरूरी सारी जमीन का अधिग्रहण किया जा चुका है, वहीं महाराष्ट्र में यह अब तक करीब 70प्रतिशत तक हो पाया



है। महाराष्ट्र में कई जगहों पर जमीन अधिग्रहण का काम अटका पड़ा है। उद्धव ठाकरे की सरकार ने इसमें कोई रुचि नहीं दिखाई। उद्धव सरकार के रवैये की वजह से बुलेट ट्रेन को लेकर जमीन पर कोई काम नहीं हो पाया। यही कारण है कि बुलेट ट्रेन शुरू करने की कोई समयसीमा तय नहीं हो पाई, जबकि इसकी आधारशीला रखते वक्त कहा गया था कि बुलेट ट्रेन को भारत की आजादी के 75 साल पूरे होने पर यानि 15 अगस्त 2022 को शुरू कर दिया जाएगा।

508 किलोमीटर लंबा है बुलेट ट्रेन का प्रोजेक्ट

भारत में बुलेट ट्रेन का प्रोजेक्ट 508 किलोमीटर लंबा है। इसके तहत मुंबई से अहमदाबाद के बीच बुलेट ट्रेन चलनी है। इसमें 384 किलामीटर का रुट गुजरात में होगा। महाराष्ट्र में 155 किलोमीटर और दादरा व नागर हवेली में 5 किलोमीटर का रुट तैयार किया जाना है। इस प्रोजेक्ट पर 1 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का खर्च होना है, जिसके लिए जापान बड़ा कर्ज दे रहा है।बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट में हुई देरी से इसकी लागत में बड़ा इजाफा होने का डर है। फिलहाल प्रोजेक्ट का आलम यह है कि 2026 में महज 50 किलोमीटर रुट पर ट्रायल शुरू होने की संभावना है। यह रुट सूरत से विलिमोरिया तक होगा। हालांकि महाराष्ट्र में शिंदे-भाजपा सरकार आने से रेलवे की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

उत्तर मध्य रेलवे के कुलदीप ने जीता कांस्य पदक

प्रयागराज (ब्यूरो)। 28 जून से 3 जुलाई तक कजाखस्तान में फर्स्ट एलोरडा बॉक्सिंग चैंपियनशिप संपन्न हुई। इस अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्तर मध्य रेलवे के कुलदीप, जो कि उत्तर मध्य रेलवे के सीसीटीसी पद पर आगरा में पोस्टर्ड हो ने प्रतिभाग किया और कांस्य पदक जीत कर भारत को गौरवावित किया। इस अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट में 5 टीमों क्रमशः भारत, उज्बेकिस्तान, कजाखस्तान, वयूबा, चीन एवं मंगोलिया ने भाग लिया। इनकी इस उपलब्धि पर उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक ने बधाई दी और आगे की प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दीं तथा आशा व्यक्त की है कि, भविष्य में भी वो इसी प्रकार उत्तर मध्य रेलवे और राष्ट्र के लिए उपलब्धि अर्जित करते रहेंगे।

आज का इतिहास

- 1787** : पश्चिम बंगाल के शिबपुर में भारतीय वनस्पति उद्यान की स्थापना हुई।
- 1785** : अमेरिकी कांग्रेस ने डॉलर को अमेरिकी मुद्रा के नाम से घोषित किया।
- 1885** : लुई पाश्चर ने रबीज़ के टीके का सफलतापूर्वक परीक्षण किया।
- 1892** : दादाभाई नौरोजी ब्रिटेन की संसद में पहले भारतीय सदस्य के रूप में चुने गए।
- 1901** : जनसंघ के संस्थापक श्यामाप्रसाद मुखर्जी का जन्म।
- 1923** : सोवियत सोशलिस्ट रिपब्लिक का गठन हुआ।
- 1935** : बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामाका जन्म।
- 1944** : नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने महात्मा गांधी को पहली बार ‘राष्ट्रपिता’ के नाम से संबोधित किया।
- 1986** : रशे के चौथे उपप्रधानमंत्री जमजिगन राम का निधन।

जनपद चित्रकूट में वृक्षारोपण जन आंदोलन 2022 का शुभारंभ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हरिशंकरी के पौधे रोपे

लखनऊ (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को जनपद चित्रकूट के विकास खंड मानिकपुर के ग्राम पंचायत मडैयन के मजरा सेहरीन के पास वन महोत्सव के अंतर्गत वृक्षारोपण जन आंदोलन 2022 का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने मट्ठर प्रथम वन ब्लाक में पीपल, बरगद, पाक (हरिशंकरी) के पौधे रोपित किए।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार जनपद चित्रकूट सहित संपूर्ण बुंदेलखंड क्षेत्र के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। आज यहां 32 करोड़ 86 लाख रुपए से अधिक लागत की 15 परियोजनाओं का लोकार्पण तथा 82 करोड़ 54 लाख रुपए से अधिक लागत की 28 परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में इस वर्ष 35 करोड़ पौधों को रोपित किया जाएगा, जिसमें से 25 करोड़ पौधों का रोपण आज संपन्न किया जा रहा है। इस कार्य में समस्त जनप्रतिनिधियों और शासन प्रशासन के अधिकारियों का सहयोग प्राप्त हो रहा है। आगामी 02 दिनों में 05 करोड़ पौधों को रोपित किया जाएगा। साथ ही, आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर 15 अगस्त, 2022 को 05 करोड़ पौधे रोपित किए जाएंगे तथा प्रत्येक ग्राम पंचायत में 75-75 पौधों के रोपण का कार्यक्रम संपन्न किया जाएगा।

सियासत

अखिलेश यादव ने आजमगढ़ और रामपुर के उपचुनाव में हार पर तोड़ी चुप्पी, कहा

नेताओं के मना करने से प्रचार को नहीं गए

लखनऊ, (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश में आजमगढ़ और रामपुर लोकसभा सीट पर हुए हारिलिया उपचुनाव में सपा प्रत्याशियों की हार हैरान करने वाली रही। इसकी हैरानी की एक बड़ी वजह यह थी कि ये दोनों इलाके सपा के पुराने गढ़ माने जाते हैं। आजमगढ़ लोकसभा सीट से जहां सपा प्रमुख अखिलेश यादव पहले खुद सांसद थे, वहीं रामपुर की सीट पर वरिष्ठ सपा नेता आजम खान का खासा दबदबा माना जाता है। इन दोनों सीटों पर लोकसभा उपचुनाव में हार के बाद अखिलेश यादव के नेतृत्व पर सवाल उठने लगे। लोग इस बात से भी हैरान थे कि सपा सुप्रीमो यहां पार्टी प्रत्याशी के प्रचार के लिए एक बार भी नहीं पहुंचे, जिसका सीधा फासदा भाजपा को मिला।



ऐसे में जब अखिलेश यादव से इन उपचुनावों में पार्टी प्रत्याशी के लिए प्रचार नहीं करने के पीछे की वजह पूछी गई तो उन्होंने हैरान



जवाब दिया। उन्होंने कहा कि उनकी समीक्षा की जा रही है। अभी समाजवादी पार्टी सदस्यता अभियान चलाने जा रही है, जो लगातार चलेगा।

कन्हैयालाल हत्याकांड के एक आरोपी मोहसिन को एनआईए रिमांड पर भेजा

जयपुर, (एजेंसी)। राजस्थान के उदयपुर कन्हैयालाल हत्याकांड के एक और आरोपी को मंगलवार को 12 जुलाई तक राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) रिमांड पर भेज दिया गया। कन्हैयालाल हत्याकांड की जांच कर एनआईए ने इस मामले में गिरफ्तार आरोपी मोहम्मद मोहसिन को दोपहर में यहां एनआईए की विशेष अदालत में पेश किया, जहां उसे 12 जुलाई तक रिमांड पर भेज दिया गया। उल्लेखनीय है कि इससे पहले इस मामले में गिरफ्तार मुख्य आरोपी रियाज एवं गौस सहित चार आरोपी भी रिमांड पर हैं। इस मामले में अब तक पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

मृतक के परिजनों से दीया कुमारी ने की मुलाकात

राजसमन्द सांसद दीयाकुमारी ने मंगलवार को उदयपुर हत्याकांड में मृतक टेलर कन्हैयालाल साहू के घर जाकर परिजनों से मुलाकात कर सांत्वना प्रदान की। परिजनों से मुलाकात करते हुए सांसद दीयाकुमारी ने कहा कि भाजपा का पूरा परिवार आपके साथ है। आप अपने आपको अकेला न समझें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हर तरह से विफल साबित हुई है।

रामपुर कोर्ट पहुंचे सपा नेता आजम खान का छलका दर्द

रामपुर, (एजेंसी)। डूंगरपुर और यतीमखाना मामले में सपा नेता आजम खान मंगलवार रामपुर कोर्ट पहुंचे। इस दौरान मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कुछ सरकारी लोगों पर भी केस होने चाहिए। सारे केस क्या हम पर ही होंगे? क्या सिर्फ विपक्ष के लोगों पर ही सारे मुकदमे दर्ज किए जाएंगे?

इंडी ने फिर आजम खान को नोटिस जारी किया है। इंडी ने आजम और उनके

बेटे अब्दुल्ला आजम और पत्नी तंजीम फातिमा के खिलाफ नोटिस जारी कर

पूछताछ के लिए बुलाया है। इंडी ने दोनों को अलग-अलग पूछताछ के लिए बुलाया है। डूंगरपुर और यतीमखाना मामले में 12-13 मामले दर्ज हैं जिन पर सुनवाई हो रही है। जौहर यूनिवर्सिटी मामले में इंडी ने आजम खान के बेटे और उनकी पत्नी को 15 जुलाई से पहले इंडी के सामने पेश होने को कहा है। दोनों को इंडी ने अलग-अलग तारीख पर पूछताछ के लिए आने का आदेश दिया है। इंडी जौहर यूनिवर्सिटी मामले में फंड ट्रान्सफर के मामले में दोनों से पूछताछ कर रही है।

कार की टक्कर से बाइक सवार दो होमगार्ड की मौत

सोनभद्र, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में सोनभद्र के चोपन थाना क्षेत्र में वाराणसी शक्तिनगर राजमार्ग पर स्थित सोन नदी पुल पर तेज रफ्तार कार की टक्कर होने से बाइक सवार दो होमगार्डों की मौके पर ही मौत हो गई। महुआव कला निवासी दीनानाथ (40) और लालमणि (45) अदलमंज थाना चोपन में होमगार्ड थे। सोमवार की रात उनकी ड्यूटी ओबरा थाना में थी। मंगलवार तड़के पांच बजे दोनों बाइक से ड्यूटी करने के बाद घर जा रहे थे। जैसे ही सोन नदी पुल पर पहुंचे कि सामने एक ट्रक खड़ा दिखाई दिया। ट्रक से पास लेने के लिए पीछे नजर घुमाई तो देखा कि एक कार तेजी से आ रही थी। कार से बचने ट्रक के पीछे ही बाइक रोक दी, किंतु तब तक कार दोनों को टक्कर मारते हुए खड़े ट्रक से टकरा गई। घटना के बाद कार चालक दुर्घटना स्थल से फरार हो गया।

प्रयागराज जनपद में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न

प्रयागराज, (ब्यूरो)। जनपद में मंगलवार को वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वृक्षारोपण का मुख्य कार्यक्रम कन्हार, झूसी में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाटक व अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाटक, सांसद केशरी देवी पटेल, महाराष्ट्र अभिलाषा गुप्ता नदी, विधायक प्रवीण पटेल, विधायक हर्ष वर्धन जाजपेई, विधायक गुरु प्रसाद मोर्या, जनपद में वृक्षारोपण कार्यक्रम के लिए नामित नोडल अधिकारी प्रबंध निदेशक उग्र जल निगम/सचिव नगर विकास अनिल कुमार, आईजी राकेश सिंह, जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश पाण्डेय सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों द्वारा वृक्षारोपण किया गया।

दयानंद प्रसाद ने संभाला कार्यभार

प्रयागराज, (ब्यूरो)। उग्र उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग के नवनियुक्त सचिव दयानंद प्रसाद ने कहा कि आयोग में रिक्त 917 पदों के लिए शीघ्र ऑनलाइन आवेदन लिए जाएंगे। इसकी तैयारियां उग्र उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग में व्यापक स्तर पर चल रही हैं। उन्होंने कहा कि बैठक में जैसे ही भर्ती प्रक्रिया शुरू करने के लिए मंजूरी मिलेगी, वैसे ही विज्ञापन जारी करके अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन किया जाएगा। यह बातें उग्र उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग के नवनियुक्त सचिव दयानंद प्रसाद ने कार्यभार संभालने के बाद सोमवार को कही। बलिया निवासी उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग के नवनियुक्त सचिव दयानंद प्रसाद की शिक्षा दीक्षा इलाहाबाद विश्वविद्यालय से हुई है। वह 2008 बैच के सीनियर पीसीसीएस है। उनकी पहली तैनाती इटावा में एसडीएम के पद पर हुई थी।

खास डॉक्यूमेंट्री दिखाएंगी राम मंदिर का इतिहास

अयोध्या, (एजेंसी)। भगवान राम लला का मंदिर अयोध्या में भव्य तरीके से बन रहा है। 1000 वर्षों तक मंदिर कैसे सुरक्षित रहे इसको लेकर के कई बड़ी कार्यवाही संस्था निर्माण कार्य में जुटी हैं। जिस पर कई वैज्ञानिकों की राय भी ली गई है। 500 वर्षों के मंदिर के इतिहास को जीवत करने की तैयारी भी ट्रस्ट कर रहा है।

हैदराबाद की संस्था प्रचार भारती के ओर से अब रामलला के मंदिर के संघर्षों के इतिहास को जीवत करने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे आगामी पीढ़ी रामलला के मंदिर निर्माण के लिए किए गए संघर्ष और बलिदान को समझ सके। 1528 से रामलला का मंदिर विवाद चल रहा था। इस दरमियान कई बार संघर्ष हुए बहुत से लोगों ने बलिदान दिया। अब वह सुखद दिन आ गया है जब मंदिर निर्माण शुरू हुआ है। ऐसे में आगामी पीढ़ी रामलला के इतिहास को समझ सकें, इसके लिए डॉक्यूमेंट्री फिल्म बनाई जा रही है।श्री राम जन्म भूमि कैप कार्यालय के प्रभारी प्रकाश गुप्ता ने बताया कि इस डॉक्यूमेंट्री को प्रसार भारती बना रहा है।

तौफीक के कहने पर विरोध प्रदर्शन करने गया था इमरान

इमरान ने पुलिस को बताया है कि जेल भेजे गए तौफीक के कहने पर वह मैसेज पढ़कर अटाला में विरोध प्रदर्शन करने गया था। उसके मोबाइल से कई अहम जानकारीयां भी मिली है। पुलिस ने यह भी बताया है कि इमरान ने भी बंद का स्टेटस अपने मोबाइल पर लगा रखा था। इस खुलासे के बाद साजिश में शामिल परिषद बंगाल में बैठे छत्र अम्मार की तलाश में पुलिस जुट गई है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही अम्मार को गिरफ्तार कर लेनी, जिसके बाद इस मामले में कई दूसरे बड़े खुलासे हो सकते हैं।

लोगों को पुलिस गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी थी, जबकि 106वें आरोपी के रूप में इमरान अंसारी को पुलिस ने जेल भेजा है। पुलिस इमरान से पूछताछ के आधार पर आरोपियों की तलाश में जुट गई है। पुलिस की ओर जारी किए गए पोस्टर की मदद से करेली में वेल्लिङ्ग चौराहा निवासी 22 साल के इमरान अंसारी को गिरफ्तार किया गया है। वह बांस बल्ली की दुकान में काम करता है। उसने पुलिस को जानकारी दी है कि गरीब नवाज और जामिया हमीदिया मदरसे में पढ़ाई करता था और वहां के लड़कों ने भी वॉट्सएप ग्रुप बनाया था, जिससे वह जुड़ा हुआ था। उन लोगों ने भी 10 जून को बंद का आह्वान किया था।

सारे मोदी चोर कहने पर बर्दौ राहुल गांधी की मुश्किलें



रांची, (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी को झारखंड हाईकोर्ट से झटका लगा है। हाईकोर्ट ने उनकी याचिका खारिज करते हुए उन्हें अपनी बात रांची सिविल कोर्ट में कहने का निर्देश दिया है। जस्टिस एसके दिवेदी की अदालत ने कहा कि वह जिन बिंदुओं को हाईकोर्ट में उठा रहे हैं उन्हें सिविल कोर्ट में उठाना चाहिए। इसके पूर्व हाईकोर्ट ने उनके खिलाफ पीड़क कार्रवाई नहीं करने का निर्देश दिया था। राहुल गांधी के खिलाफ रांची सिविल कोर्ट में अधिवक्ता प्रदीप मोदी ने शिकायत दायर की है। इसमें आरोप लगाया गया है कि वर्ष 2019 में लोकसभा चुनाव के दौरान रांची में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा था कि जिनके नाम के आगे मोदी लगा है वह सभी चोर हैं। इससे मोदी समाज आहत हुआ है और उनके सम्मान को ठेस लगा है। राहुल गांधी के खिलाफ अदालत से कानूनी कार्रवाई करने का आग्रह किया गया था।

क्या है पूरा मामला: राहुल गांधी ने 2019 लोकसभा चुनाव के दौरान रांची के अलावा कुछ अन्य रैलियों में विवादित टिप्पणी की थी। उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि नीरव मोदी, ललित मोदी, नरेंद्र मोदी... इन सभी का एक ही उपनाम मोदी कैसे है? सभी चोरों का एक ही उपनाम मोदी कैसे है? राहुल गांधी ने कथित तौर पर जब यह टिप्पणी की थी तब वह कांग्रेस अध्यक्ष थे।

प्रयागराज (ब्यूरो)। प्रत्येक यात्री गाड़ी में रेल प्रशासन द्वारा आपात स्थिति में ट्रेनों को रोकने के लिए अलार्म चैन की व्यवस्था की गई है, जिसका बिना उचित और पर्याप्त कारण के प्रयोग करना एक दंडनीय अपराध है, ऐसा करने वाले

3,17,665 रुपए वसूला जुर्माना

व्यक्ति के विरुद्ध रेलवे एक्ट की धारा 141 के तहत दंड का प्रावधान है। इस प्रकार बिना उचित और पर्याप्त कारण के चैन खींचने वालों पर अंकुश लगाने के लिए रेल प्रशासन सतत चेकिंग अभियान चला रहा है

इसी क्रम में उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज मंडल में 01 अप्रैल से 05 जुलाई तक बिना उचित कारण के चैन पुलिंग करने वाले 354 लोगों को गिरफ्तार किया गया तथा उनसे 3,17,665 रुपए जुर्माना स्वरूप वसूल किया गया, जबकि

समान अवधि में केवल प्रयागराज जंक्शन रेलवे स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल तथा चेकिंग स्टाफ द्वारा लगातार चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है, जिसके

परिणाम स्वरूप 41 प्रकरण बिना उचित और पर्याप्त कारण के चैन खींचने के अपराध में पकड़े गए तथा उनसे 18220 रुपए जुर्माना वसूल किया गया। रेलवे के नियमों के तहत चैन पुलिंग की सुविधा का दुरुपयोग एक कानूनन अपराध है। रेलवे अधिनियम की धारा 141 के तहत अगर कोई यात्री बिना किसी उचित और पर्याप्त कारण के अलार्म चैन का प्रयोग करता है तो उस व्यक्ति पर 1,000 रुपए का जुर्माना या एक साल की कैद या दोनों हो सकते हैं। भविष्य में रेल प्रशासन अपने सम्मानित रेल यात्रियों से सहयोग की उम्मीद करता है।

पार्टी का सदस्यता अभियान शुरू

दरअसल सपा सुप्रीमो ने मंगलवार को लखनऊ में पार्टी के सदस्यता अभियान की शुरुआत की, जहां संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों ने उनसे उपचुनावों को लेकर ये सवाल किए। वहीं सपा के सदस्यता अभियान को लेकर अखिलेश यादव ने कहा कि हमारी कोशिश होगी कि सपा गांवों में ज्यादा से ज्यादा पहुंचे, हर घर तक पहुंचे। सपा कार्यकर्ता पार्टी की बात, पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों की जानकारी लेकर जनता के बीच रहेंगे। यह बात लोगों तक पहुंचाने की जरूरत है कि लोकतंत्र बचाने के लिए समाजवादी पार्टी के लोग आगे आ रहे हैं। इसमें सहयोग करें और इसके साथ जुड़ें।